तापमान
अधिकतम 28.2 डिग्री
न्यूनतम 12.9 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 15 दिसंबर 2025

11 प्रभावित हुई उड़ान तो यात्रियों के स्वल्पाहार...

12 सुंदरनगर, मैत्रीनगर में सांडों का उत्पात...

वंदे भारत ट्रेन में अब मिलेगा छत्तीसगढ़ी स्वाद, मेन्यू में शामिल किए जाएंगे चीला, फरा और चौसेला

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश: देशभर में चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों में अब परोसे जाएंगे स्थानीय व्यंजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर करने वाले यात्रियों को अब छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी मिल सकेगा। भारतीय रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए एक अहम निर्णय लिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निर्देश दिए हैं कि देशभर में चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों में अब स्थानीय व्यंजन परोसे जाएं, ताकि यात्री सफर के साथ-साथ क्षेत्रीय स्वाद और संस्कृति का भी अनुभव कर सकें। इस पहल के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन में चलने वाली बिलासपुर-नागपुर और दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन में जल्द ही चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, चौसेला जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजन यात्रियों को परोसे जाएंगे। रेलवे जोन अब इन व्यंजनों के लिए विशेष मेन्यू तैयार किया जाएगा, जिसमें स्थानीय पसंद और परंपरा को प्राथमिकता दी जाएगी। इस फैसले से न सिर्फ यात्रियों को सफर के दौरान स्वाद का नया अनुभव मिलेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ के समृद्ध खानपान को भी देशभर में नई पहचान मिलेगी। रेल मंत्री ने कहा कि स्थानीय व्यंजनों को शामिल करने से यात्रियों की संतुष्टि बढ़ेगी और रेल यात्रा केवल सफर ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक अनुभव बनेगी। अलग-अलग राज्यों से गुजरने वाली ट्रेनों में वहां के पारंपरिक और लोकप्रिय व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे।

अलग खबर

दो राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों का ले सकेंगे आनंद

भारतीय रेलवे की पहल से वंदे भारत में सफर करने वाले यात्री राज्य के पारंपरिक व्यंजनों का आंनद ले सकेंगे। ट्रेन जिस राज्य से गुजरेगी, वहां का लोकल फूड उन्हें आसानी से मिल सकेगा। बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ महाराष्ट्र के व्यंजन मिलेंगे तो वहीं दुर्ग से विशाखापट्टनम वंदे भारत में भी दोनों राज्यों के व्यंजन मिल सकेंगे।

महंगे रेस्टोरेंट से भी मिलेगा खाना

रेलवे में यात्रियों के सुविधा के लिए कई बदलाव किए गए हैं। वंदे भारत और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में अब हल्दीराम, फ्लाइट कैटरर्स और अच्छे, नामी रेस्टोरेंट से यात्रियों के लिए खाना मंगाकर परोसा जाएगा। इस सुविधा को लागू करने के लिए वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों में प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट के नाम से मील ट्रायल शुरू किए गए हैं। इसमें खाना बनाने और परोसने की जिम्मेदारी को अलग-अलग किया जा रहा है। खाना बनाने की जिम्मेवारी ब्रांडेड इंडस्ट्रियल किचन, रेस्टोरेंट चेन्स और फ्लाइट कैटरर्स की होगी। साथ ही खाना परोसने की किसी और की जिम्मेदारी होगी।

खबर संक्षेप

चेक बाउंस मामले में आरोपी को एक साल की सजा

रायपुर। निजी कार्य के लिए 5 लाख रुपए उधार लेकर न चुकाने और 5 लाख का चेक बाउंस होने के मामले में न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी रायपुर विकास खांडे ने सुनवाई के बाद फैसला देते हुए आरोपी को चेक अनादरण के अपराध में दोषी पाया है तथा एक वर्ष की सामान्य कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उधार ली गई रकम पांच लाख रुपए का प्रतिकर देने का आदेश भी दिया है। इस संबंध में परिवादी विनोद कुमार दौलतानी के अधिवक्ता विवेक तनवानी ने बताया कि पवन शेरवानी ने घरेलू कार्य के लिए विनोद से पांच लाख रुपए उधार लिए थे, जिसके एवज में बैंक ऑफ बड़ौदा देवपुरी शाखा का चेक विनोद को दिया था। उक्त चेक बैंक से पर्याप्त राशि न होने के कारण लौटा दिया गया। जिसके बाद पवन के खिलाफ कोर्ट में परिवाद दायर किया गया था।

मुख्यालय के सामने निगम गार्डन बदहाल, सूख गई घास, एक्सरसाइज के इक्वीपमेंट हो रहे खराब

शहर में 176 बगीचे, माली एक भी नहीं, घास सूख चुकी, पेड़ हो गए ठूंठ, उजाड़ नजर आ रहे

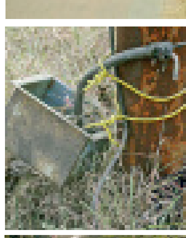
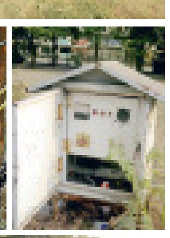

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

15 लाख आबादी वाले शहर को हरा-भरा बनाने और नागरिकों को शुद्ध आबोहवा देने के मकसद से रायपुर नगर निगम ने 176 बगीचे स्थापित किए, पर बगीचों की देखभाल करने न तो माली है, न ही सिंचाई, खाद देने वाले कर्मचारी। हालत ये है कि शहरभर में बगीचों, डिवाइडर पर लगे पौधों की देखभाल करने ठेके पर 85 मजदूर रखकर खानापूर्ति की जा रही है। ये मजदूर निगम मुख्यालय से लेकर 10 जोन में फैले बगीचों के हिसाब से बेहद कम हैं। नतीजतन बगीचे सूख रहे हैं। देखरेख के अभाव में पौधों ▶▶|शेष पेज 11 पर

हार्टिकल्चर एक्सपर्ट 19 साल पहले रिटायर

नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग में 19 साल से उद्यानिकी विशेषज्ञ नहीं है। जानकारों का कहना है कि वर्ष 2006 में उद्यानिकी विशेषज्ञ के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त है। इसी तरह उद्यान का निरीक्षण करने वाले उद्यान निरीक्षक के रिटायर होने के बाद से बगीचे की देखभाल प्रभारी के भरोसे चल रही है। शहर के बगीचों को संवारने एक माली तक नगर निगम के पास इस समय नहीं है। हकीकत ये है क्लीन और ग्रीन सिटी की परिकल्पना फाइलों में दम तोड़ रही है।

बूढ़ातालाब के नीलाभ उद्यान में सन्नाटा

बूढ़ापारा क्षेत्र स्थित शहर का सबसे प्राचीन बूढ़ातालाब के मध्य स्थित नीलाभ उद्यान जहां कभी सुबह -शाम लोग परिवार के साथ घंटों शुद्ध हवा लेने आते थे, वह निगम प्रशासन की अनदेखी के चलते वीरान पड़ा है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड 36 करोड़ रुपए खर्च कर दो फेज में बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण, परिक्रमा पथ निर्माण, नीलाभ उद्यान में आकर्षक लाइटें लगवाईं, ▶▶|शेष पेज 11 पर

मोतीबाग की नर्सरी चौपट फौवारा अरसे से बंद

निगम प्रशासन की लगातार उपेक्षा की वजह से शहर की सबसे पुरानी मोतीबाग की इकलौती नर्सरी चौपट हो गई है। मोतीबाग के सौंदर्यीकरण के लिए 3 करोड़ 70 लाख खर्च कर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने वहां हेजमेज, बच्चों के लिए भूलभुलैया, ओपन थियेटर, साइकिल ट्रेक की योजना पर खर्च किए। इस दौरान सौंदर्यीकरण के नाम पर मोतीबाग ▶▶|शेष पेज 11 पर

तीन केटेगरी में बनाया है प्लान

नगर निगम को शहरभर के बगीचों के लिए केवल 85 मजदूरों की स्वीकृति शासन से मिली है। हमारे पास 176 गार्डन हैं, इस हिसाब से जहां-जहां जरूरत पड़ती है, वहां समायोजित किए हैं। निगम के पास एक भी माली नहीं है। बगीचों की दशा सुधारने हमने अलग-अलग तीन केटेगरी बनाई है, उस पर प्लान किया जा रहा है। - **विश्वदीप,** आयुक्त, नगर निगम रायपुर

थोड़ी राहत, चार दिन बाद बनेंगे शीतलहर के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ तापमान में 1 से 2 डिग्री वृद्धि की संभावना

हवा की दिशा में बदलाव होने की वजह से रात के न्यूनतम तापमान में धीमी गति से बढ़ रहे तापमान से ठंड से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। माना जा रहा है कि अब चार दिन बाद ही शीतलहर के आसार बन सकते हैं। अभी रात के तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी होने की स्थिति बन रही है। दिसंबर के पहले पखवाड़े में रायपुर समेत पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ी है। उत्तर के साथ मध्य और दक्षिणी हिस्से में भी शीतलहर जैसे हालात बने रहे। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले तीन चार दिन बर्फ जमाने वाली ठंड से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। राज्य में आने वाली हवा की दिशा मे थोड़ा बदलाव होने से वर्तमान ▶▶|शेष पेज 11 पर

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश, राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण की होगी स्थापना

एससीईआरटी करेगा स्कूलों की मॉनिटरिंग सिलेबस से लेकर निरीक्षण तक का जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ अब तक जिला शिक्षा कार्यालय और माध्यमिक शिक्षा मंडल ही करते थे निरीक्षण

प्रदेश के शासकीय और निजी स्कूलों की मॉनिटरिंग का जिम्मा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को दिया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संदर्भ में आदेश भी जारी कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण की स्थापना की जानी है। इस प्राधिकरण के स्थापना की जिम्मेदारी राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को दी गई है। सूत्रों के अनुसार, राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण का मुख्य दारोमदार एससीईआरटी पर ही रहेगा, लेकिन इसके द्वारा बनाई जाने वाली कमेटी में लोक शिक्षण संचालनालय, समग्र शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा मंडल तथा जिला शिक्षा कार्यालय के अधिकारी भी शामिल रहेंगे। अब तक स्कूलों की मान्यता और ▶▶|शेष पेज 11 पर

सभी राज्यों में पृथक व्यवस्था

राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण को लेकर सभी राज्यों ने अलग-अलग व्यवस्था की है। छत्तीसगढ़ सहित कुछ राज्यों ने अपने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण के रुप में नामित किया है तो कुछ ने अपने यहां संचालित परीक्षा बोर्ड को इसके लिए चुना है। कुछ राज्य ऐसे भी हैं, जो स्वतंत्र निकाय की स्थापना कर रहे हैं। ▶▶|शेष पेज 11 पर

क्या है राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूलों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में स्थापित एक नियामक संस्था है, जो बुनियादी मानकों को तय करती है, निगरानी करती है और मान्यता देती है, ताकि सभी सरकारी और निजी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और जवाबदेही बनी रहे, जिसमें बुनियादी ▶▶|शेष पेज 11 पर

फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी से जमीन बेची, ठग लिए 44 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की घटना, एक गिरफ्तार,एक आरोपी फरार

नगर निगम क्षेत्र में एक महिला की 1965 वर्गफीट जमीन की फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी बनाकर दो लोगों को बिक्री कर 44 लाख ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। ठगी की घटना में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है। जालसाजों ने जमीन बेचने जनवरी में दो अलग-अलग लोगों से सौदा कर फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी के माध्यम से ▶▶|शेष पेज 11 पर

ई-व्हीकल की नंबर प्लेट पर चौंधियाई कैमरे की आंखें कोई पकड़ में नहीं आ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ ट्रैफिक पुलिस ने परिवहन विभाग को नंबर प्लेट का रंग बदलने लिखा पत्र

ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) योजना के तहत राजधानी के प्रमुख मार्गों के साथ चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, पर ये कैमरे ई-व्हीकल की नंबर प्लेट को रीड नहीं कर पा रहे हैं। खासकर ई-रिक्शा तथा ई-स्कूटर की नंबर प्लेट कैमरे में कैद नहीं हो पा रही है। इस बात की जानकारी ई-रिक्शा चालकों को है। इस वजह से ई-रिक्शा चालक ट्रैफिक सिग्नल पर ऑटो रोकने के बजाय दौड़ा देते हैं। इससे ▶▶|शेष पेज 11 पर

इस वजह से नंबर रीड नहीं हो पा रहे

आईटीएमएस कैमरों में ई-रिक्शा तथा ई-स्कूटर के नंबर रीड नहीं हो पाने का कारण नंबर प्लेट का अपेक्षाकृत छोटा होना है। साथ ही नंबर प्लेट हरे रंग की है। हरे रंग के नंबर प्लेट में व्हाइट गोल्डन कलर में ▶▶|शेष पेज 11 पर

सुमीत बाजार में आज पेपर कटिंग लाने पर
MRP. ₹ 1699 से ₹ 2599
प्रति पीस वाले
विश्व स्तरीय प्रीमियम क्वालिटी
कॉटन ब्रांडेड
मेन्स शर्ट
₹333 में प्रति पीस
100% कॉटन प्रीमियम क्वालिटी
1 शर्ट की कीमत मात्र ₹333 में
ऑफर आयटम स्टॉक रहने तक.... एक व्यक्ति के पास एक से अधिक कटिंग होने पर भी अधिकतम 2 पीस दिया जायेगा. पेपर कटिंग लाना अनिवार्य है.
रायपुर | बैजनाथ पारा ● सिटी सेंटर मॉल के बाजू, पंडरी ● 139-140 टैक्सटाईल मार्केट, पंडरी
न्यू राजेन्द्र नगर ● मेन रोड, लाखेनगर ● मंगल बाजार, गुढ़ियारी
*condition apply

खबर संक्षेप

सशिमं के व्यवस्थापक ने बच्चों को कराया भोज

आरंग। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल आरंग में स्कूल प्रबंध समिति के व्यवस्थापक राजेश साहू ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया। न्योता भोज प्रारंभ होने से पूर्व छात्र–छात्राओं द्वारा स्कूल परिसर स्थित शिशु वाटिका में विभिन्न प्रकार के सजावटी पौधे लगाए गए। साथ ही विद्यालय परिसर में अशोक, नीम, अमलतास, कोनोकार्पस आदि पौधों का रोपण किया गया। स्कूल के आचार्यों एवं दीदियों ने बधाई गीत गाकर तथा भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा भेंट कर स्कूल के व्यवस्थापक राजेश साहू को शुभकामनाएँ दीं। न्योता भोज में बच्चों के लिए चावल, दाल, सब्जी, हलवा, पूड़ी, पापड़, सलाद आदि व्यंजन तैयार किए गए थे। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के सभी सदस्यगण, नगर के पत्रकारगण, प्राचार्य नितेश्वरी लोधी, आचार्य, दीदियों के साथ ही स्थानीय सामाजिक पदाधिकारीगण, छत्तीसगढ़ चर्मशील विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, पूर्व विधायक संजय ढीढी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष हिरामन कोसले एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

लोकगायक भगवती का दिल्ली में सम्मान

कूंरा। पंचशील आश्रम झड़ौदा गांव बुराड़ी बाई पास रिंग रोड दिल्ली में 12 एवं 13 दिसंबर को दो दिवसीय 41 वा राष्ट्रीय दलित साहित्य सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ जहां नेशनल प्रेसिडेंट डॉ एस पी सुमन कसार द्वारा छत्तीसगढ़ जिला रायपुर धरसीवां विकास खंड नगरपंचायत कूंरा के वार्ड 7 निवासी भगवती प्रसाद साहू को विशेषरूप से आमंत्रित कर डॉ भीमराव अंबेडकर नेशनल फेलोशिप आवर्ड का लोक गायक के रूप में दिल्ली में सम्मान किया गया । इसके पूर्व भी तीन बार भगवती साहू छत्तीसगढ़ दाऊ मंदराजी लोककला रत्न आवर्ड सहित विभिन्न आवर्ड से सम्मानित हो चुके है । भगवती साहू को दिल्ली में आवर्ड मिलने से परिजन सहित नगर कूंरा सहित आस पास के प्रशंसकों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दिए है ।

घासीदास जयंती पर मटन बिक्री पर रोक

आरंग। नगर पालिका आरंग के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन के निर्देश पर नगर पालिका आरंग के सम्पूर्ण क्षेत्र में गुरु घासीदास जयंती 18 दिसंबर 2025 एवं संत तारण तरण जयंती 19 दिसंबर 2025 को मांस-मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। निर्देश के परिपालन में नगर पालिका परिषद की ओर से मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल चंद्रवंशी ने गुरु घासीदास जयंती 18 दिसंबर 2025 एवं संत तारण तरण जयंती 19 दिसंबर 2025 को आरंग नगर पालिका के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। नगर पालिका अध्यक्ष के निर्देशानुसार प्रतिबंध आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने हेतु होटलों में उक्त पावन पर्व दिवसों पर मांस-मटन विक्रय करने पर जप्ती की कार्यवाही की जाएगी तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जाएगी।

निसदा में पत्थरों का अवैध कारोबार वर्षों से जारी, शिकायत पर कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ग्राम निसदा में अवैध पत्थर खनन शासन-प्रशासन की कथित छत्रछाया में खुलेआम फल-फूल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते दो वर्षों से सैकड़ों आवेदन संबंधित विभागों को दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश और निराशा व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार खनन माफिया नियमों को ताक पर रखकर रोजाना बड़े पैमाने पर पत्थर का अवैध उत्खनन कर रहा है।

बताया गया कि एक करोड़ मे एक लाख वर्गफुट उत्पादन हो रहा है, जबकि आम बाजार में एक वर्गफुट पत्थर 12 रुपये तथा अंश साइज 5 वर्गफुट हो तो पत्थर 25 से 30 रुपये में बिकता है। ऐसे में शासन को मिलने वाली रॉयल्टी का अनुमान लगाया जा सकता है, जो कथित रूप से पूरी तरह चोरी हो रही है। खनिज नियमों के अनुसार खदान की गहराई सीमित होनी चाहिए, लेकिन निसदा में खदानें लगभग 50 फीट तक गहरी कर दी गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब वे अवैध खनन का विरोध करते हैं तो माफिया द्वारा शराब-मुर्गा बांटकर माहौल बिगाड़ा जाता है और शिकायतकर्ताओं से गाली-गलौज व मारपीट की जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि जब कभी उन्होंने खदान तक जाने वाले अवैध रास्ते को बंद करने की कोशिश की, तो उल्टा शिकायतकर्ताओं को ही गिरफ्तार करने की बात सामने आई।

खनिज नियमों के अनुसार खदान की गहराई सीमित होनी चाहिए

श्मशानघाट को पत्थरों से पाटा

श्मशान घाट को भी पत्थर से पाट दिया गया है, जिस पर ग्रामीणों ने इसे मानवीय और संवेदनशील मुद्दा बताते हुए शासन-प्रशासन से जवाब मांगा है। ग्रामीणों का कहना है कि अभनपुर विधायक, रायपुर सांसद, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, खनिज विभाग, कलेक्टर, कमिश्नर, तहसीलदार सहित अनेक स्तरों पर शिकायत की गई, लेकिन हर बार सिर्फ "जांच जारी है" का जवाब मिला। महीनों नहीं, वर्षों से जांच लंबित है, जिससे अरबों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए, दोषी अधिकारियों और खनन माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई हो तथा पर्यावरण और जनहित की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

कटाई पर शासन क्यों मौन

वहीं माफिया द्वारा लगातार खनन किए जाने पर अनुविभागीय अधिकारी, थाना, खनिज विभाग सहित किसी भी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब एक पेड़ की कटाई पर तत्काल कार्रवाई होती है, तो फिर महुआ, तेंदू, पीपल, पलाश जैसे इमारती और उपयोगी वृक्षों की अंधाधुंध कटाई पर शासन क्यों मौन है। महानदी क्षेत्र में मिट्टी और मलबा पाटे जाने का आरोप भी लगाया गया है, जिसमें फैक्ट्रियों के कचरे का उपयोग किए जाने की बात सामने आई है। सबसे गंभीर स्थिति यह बताई गई कि ग्राम निसदा में अब शव दफनाने तक की जगह नहीं बची है।

गुरु घासीदास ने दिया मनखे-मनखे एक समान का संदेश : विधायक इंद्र कुमार

गुरु पर्व के उपलक्ष्य में सतनामी समाज ने निकाली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

सतनामी समाज परिक्षेत्र अभनपुर के तत्वाधान मे गुरू पर्व के उपलक्ष्य मे भव्य शोभायात्रा का आयोजन संपन्न हुआ। छग प्रदेश मे यह शोभायात्रा का शुभारंभ अभनपुर से विगत 27 वर्षो से समाज अध्यक्ष राधाकृष्ण टंडन के नेतृत्व मे प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है इतनी विशाल शोभायात्रा शायद ही कही और जगहो मे निकाली जाती हो। मिनी माता कन्या आश्रम उरला से सतनाम भवन भक्तिन कुटीचंडी मोड़ यह 3 किलोमीटर की दूरी तय करने मे 4 से 5 घंटा लग जाता है,क्षेत्र के हजारो की संख्या मे श्रद्धालु इस आयोजन मे भाग लेते है इस शोभायात्रा की खासियत है कि नगर के सभी समाज के लोग तन,मन,धन से शोभायात्रा को सफल बनाने सहयोग करते है,नगर के व्यवसायी व सामाजिक जनप्रतिनिधि तथा राजनैतिक दलो के प्रमुख नेताओ द्वारा पंडाल लगाकर जगह जगह स्वागत किया जाता है,नगर मे उत्सव का माहौल निर्मित रहता है,समाज के युवाओ द्वारा अनेको प्रकार करतबो का प्रदर्शन व पंथी नृत्यक दल आकर्षण का केन्द्र रहते है। हजारो की संख्या मे इतनी बड़ी विशाल शोभायात्रा अनुशासित तरीके से संपन्न होती है। यह शोभायात्रा के समापन कार्यक्रम मे विधायक इन्द्रकुमार साहू ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते कहा कि गुरूघासीदास बाबा का उपदेश किसी एक धर्म,जात के लिए नही बल्कि समस्य मानव समाज के कल्याण के लिए है,वह सभी समाज के गरीब, शोषित, वंचित लोगो के उत्थान के लिए समर्पित रहे,आज क समय मे उनके बताये हुये रास्ते मे चलकर सामजिक सौहार्द पूर्ण वातावरण स्थापित किया जा सकता है,इस अवसर पर विधायक द्वारा 28 लाख रूपये के विभिन्न निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम मे जनपद अध्यक्ष श्रीमति चंद्रिका जितेन्द्र बंजारे,नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,अजाक्स प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण भारती ,बबलू त्रिवेन्द्र,पन्ना लाल नवरंगे आदि लोगो ने गुरू घासीदास बाबा की जीवनी पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिपं. प्रतिनिधि लोकमनी कोसले, पालिका उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी, सरपंच संघ अध्यक्ष मुकेश ढीढी, बसंत कोसरे, एमएम कोसले, फतीस साहू, टिकेन्द्र ठाकुर, नीलकमल गिलहरे, टिकेन्द्र बघेल, जितेन्द्र बंजारे, जय बहादुर बंजारे, ओमकार बंजारे, चंदूमल राठी, मुन्ना बांधे, छन्नू लाल बघेल, ह्दय राम गिलहरे, चंपा लेदेकर, रूपनारयण साहू, बीरबल टंडन, आसकरण गिलहरे, शोभाराम गिलहरे, त्रिवेन्द्र टंडन, लक्ष्यवीर बांधे, इतवारी बघेल, नांदुल बंजारे, राधेश्याम बंजारे, रतन गिलहरे, कमलेश टंडन, टुकेश बांधे, टिकेश गिलहरे, राधेश्याम बंजारे, दुलारी चतुर्वेदानी, सहदेव कोसरिया, दयाराम जांगड़े, भूपेन्द्र महिलांग, अनिल जोशी, ईश्वर धृतलहरे, रंजीत भारती, नवीन बंजारे सहित बड़ी संख्या मे लोग सम्मिलित रहे।

निर्माणधीन रेलवे अंडरब्रिज की के धूल प्रदूषण से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

नगर पालिका क्षेत्र अभनपुर में रेलवे अंडरब्रिज से अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कार्यालय तक निर्माणाधीन सडक़ पर उड़ रही अत्यधिक धूल से आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इस समस्या को लेकर प्रभावित वार्ड के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने अनुविभागीय अधिकारी को आवेदन सौंपा।

आवेदन में बताया गया कि सडक़ निर्माण कार्य के दौरान नियमित पानी का छिडक़ाव नहीं किए जाने से क्षेत्र में भारी मात्रा में धूल उड़ रही है। निर्माण स्थल के आसपास शासकीय विद्यालय एवं विभिन्न शासकीय कार्यालय स्थित हैं, जहां छोटे-छोटे बच्चे अध्ययनरत हैं। धूल के कारण बच्चों सहित स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडऩे की आशंका जताई गई है।

वार्डवासियों ने मांग की कि निर्माणाधीन सडक़ पर प्रतिदिन नियमित रूप से पानी का छिडक़ाव कराया जाए, जिससे धूल पर नियंत्रण हो सके और लोगों को राहत मिले। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान अभनपुर नगर पालिका परिषद पार्षद रानु राठी , योगेश राठी, दीक्षा राठी, नागेंद्र सिन्हा, दिनेश सिन्हा, चंदू साहू, पूर्व सरपंच वासुदेव साहू, संजय यादव, मयंक गुप्ता, जगमोहन साहू, मनोज साहू, दुष्यंत सिन्हा सहित बड़ी संख्या में प्रभावित वार्डवासी उपस्थित रहे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम रवि सिंह ने तत्काल लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एसडीओ को आवश्यक निर्देश दिए तथा ठेकेदार को फटकार लगाते हुए नियमित पानी छिडक़ाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 74 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

नवोदय विद्यालय चयन प्रवेश परीक्षा 2026 में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं में इस बार गजब का उत्साह देखने को मिला है। आरंग नगर के 8 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कक्षा 6वीं प्रवेश की इस महत्वपूर्ण परीक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति शानदार रही। आरंग नगर के केंद्रों में कुल 2108 पंजीकृत प्रतिभागियों में से 1562 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। यह उपस्थिति दर 74.09% रही, जो बच्चों और उनके अभिभावकों के उत्साह को साफ दर्शाती है।

परीक्षा केंद्र गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग, शासकीय अरुंधती देवी उत्कृष्ट विद्यालय आरंग, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग, कृष्णा पब्लिक स्कूल रसनी, गणेशराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुल्लू, सृजन सोनकर हायर सेकेंडरी स्कूल आरंग, मदर्स प्राइड हाई स्कूल आरंग, राधा कृष्ण विद्या मंदिर आरंग में आयोजित किए गए। परीक्षा के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा (आरंग) के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने सभी केंद्रों का जायजा लिया। इस दौरान सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लाखेश्वर रात्रे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सुरेंद्र चंद्रसेन, संकुल समन्वयकगण, नवोदय नोडल अधिकारी तथा सभी प्राचार्यगण सरोजिनी केरकेट्टा, संध्या बारीक, हरेश कुमार दास, गिरिजा देवी शुक्ला, निशा श्रीवास्तव, यशोदा योगी, अनिल किशोर पुष्पकार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और बेहतर क्रियान्वयन के लिए केंद्राध्यक्ष प्राचार्यों को बधाई दी। यह सर्वविदित है कि नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी काफी उत्साहित रहते हैं। इस सफलता के पीछे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत के साथ-साथ उनके शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका भी रही है, जिन्होंने उनकी तैयारी में मार्गदर्शन किया। यह उत्साहजनक उपस्थिति दर नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाने के लिए क्षेत्र के विद्यार्थियों की तीव्र इच्छा और जागरूकता को प्रमाणित करती है।

दूसरी बार लगातार छ्मन लाल खूबचंदानी की जीत पर समर्थकों में भारी उत्साह

सिंधी पंचायत चुनाव में छ्मनलाल 83 मतों से अध्यक्ष पद पर निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा में रविवार को हुए सिंधी पंचायत चुनाव में छ्मन लाल खूबचंदानी 83 मतों से जीत हासिल कर समाज के अध्यक्ष चुने गए। सिंधी पंचायत चुनाव में उनकी यह जीत लगातार दूसरी जीत है ..जीत के बाद समर्थकों में खुशी का माहौल देखने को मिला।नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने जीत का श्रेय समाज के सभी वरिष्ठजन और सिंधी समाज को दिया। उन्होंने कहा कि सभी के आशीर्वाद से समाज के प्रति सेवा का अवसर मिला है । समाज को संगठित कर सिंधु एकता और विकास का नया अध्याय प्रारम्भ करेंगे।

छमनलाल ने पिछले चुनाव में बार हुए अपने प्रतिद्वंदी मोतीलाल हिंदूजा को 400 से भी अधिक वोटो से हराया था। उनका कहना था कि मेरे 3 साल के कार्यकाल में इस बहुत सारे विकास कार्य हुए हैं। जनता मुझे इस बार और भी अधिक वोटो से जीत दिलाएगी। लेकिन जब परिणाम सामने आया तो उनकी जीत में भी हार छुपी नजर आई। उन्होंने भाजपा के युवा नेता लक्ष्मीचंद नागवानी को 79 वोटो से हराया' जबकि तीसरे नंबर पर आए प्रत्याशी को मात्र 85 वोट मिले. हारने वाले दोनों प्रत्याशियों के वोटो को जोडे तो जीतने वाले प्रत्याशी को मिले 683 से ज्यादा होते हैं।

चुनाव हारने के बाद लक्ष्मीचंद नागवानी ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते कहां की भले ही चुनाव हारा हूं. लेकिन समाज के सेवा के लिए सदेव तत्पर रहूँगा..और कार्य करता रहूंगा समाज के लोगो में हर दुख सुख में सहभागिता निभाता रहूँगा । उन्होंनेकहा कि मेरी हर में भी जीत है। खासकर के युवा वर्ग ने बढ़-चढ़कर मेरा साथ दिया है। छमनलाल की जीत पर हीरानंद हरीरामानी,श्यामलाल बालचंदानी, इंद्रकुमार हरि रामानी,धनराज खत्री, परमानंद बालचंदानी, मनोज विरानी, अनिल बत्रा, आदि ने खुशी व्यक्त की है।हिरानद हरिरमणी ने कहा कि समाज को अब सही और कुशल नेतृत्व मिला है। अब समाज की दिशा और दशा सुदृढ़ होगी।

शोक-पाती

स्व. श्रीमती सरस्वती बघेल जी

आपमन ल बहुतेज दुख अऊ पीरा के संग खबर करत हन कि पथरी वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
स्व. जगन्नाथ बघेल जी के बड़े बहू अऊ डॉ. खूबचन्द बघेल जी के भतीजा बहू
श्रीमती सरस्वती बघेल जी
के सरग रवानगी 06/12/2025 के होगे, जीव ह बूढ़ादेव में समाहित होगे

आघू के कार्यक्रम
बड़े नाहवन तारीख 15/12/2025, दिन-सम्मार
ये बेरा जम्मो सुराजी बघेल बेड़ा आपके अगोरा करही
जम्मो संस्कार के ठऊर-गाँव पथरी (सिलयारी) जिला-रईपुर
नोट :- तरिया के बुता 12 बजे तक होही।

बिनती बिनोईया ::-
अंजु-मणि (बेटी-दामाद)
श्रीकांत-सरिता बघेल (बेटा-बहू)
अमित-डॉ. ईश्वरी बघेल (बेटा-बहू)
डॉ. वीणा बघेल (बेटी)

विनीत ::-
अमित बघेल
प्रदेश अध्यक्ष
जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी
अउ सबो बघेल परिवार पथरी।

गोठियाय बर - 9926032005

चकल्लस

रविवि की नई डिक्शनरी

प्रदेश के सबसे बड़े विवि में एक जिम्मेदार पद पर आसीन महारथी ने अपना नया शब्दकोश ही विकसित कर लिया है। बीते दिनों समय-सारिणी जारी की गई। इसमें कुछ प्रश्नपत्रों का हवाला देते हुए कहा गया कि इन्हें विलोपित किया जाता है। अब तक गुरुजी ने छात्रों को यही पढ़ाया है कि विलोपित करने का अर्थ होता है समाप्त करना। इसी अर्थ को ग्रहण करते हुए छात्रों ने समझ लिया कि अब यह विषय अस्तित्व में ही नहीं रहा। परेशान प्राचार्यों ने जब प्रबंधन से संपर्क किया तब उन्हें ज्ञात हुआ कि रविवि ने अपनी नई डिक्शनरी बना ली है। छात्र अब इस शब्दकोश को याद कर रहे हैं, क्या पता अगली परीक्षा में पर्चे भी इसी के अनुसार जांचे जाएं।

सुकून भरी दास्तां

संस्कृत विद्यामंडलम के पुराने साहब यहां के महारथियों से हलाकान होकर नई जगह चले गए। जहां गए हैं, वो जगह भी रायपुर में ही है। यहां साहब को कोई तंग करने वाला नहीं है। संस्कृत विद्यामंडलम के पहले भी वे रायपुर में ही एक ठीक-ठाक जगह में थे, लेकिन यहां भी उन्हें शांति नहीं मिल सकी थी। संत स्वभाव के इन साहब की शांति की तलाश अंततः पूरी हुई। अब ये सुकून भरी दास्तां सुनाते रहते हैं। लेकिन इनके साथ ठीक नहीं हुआ। इनके जाते ही संस्कृत विद्यामंडलम से वे राहु-केतु भी चले गए, जो इन पर ग्रहण लगाया करते थे। ऐसा नहीं होना था...।

मैच से पहले आउट

रायपुर में इंटरनेशनल मैच हुआ। भाजपा के मंत्री, विधायकों से लेकर सभी कार्यकर्ता खुश थे कि उनको आसानी से टिकट मिल जाएंगे। हमारी सरकार है तो किस बात की चिंता। सगे-सबंधियों को भी लगा कि चाचा तो विधायक-सांसद हैं हमारे तो टिकट तो मिल ही जाएंगे। लेकिन मैच का दिन आते-आते आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा। मंत्रियों को गिनती के टिकट मिले। विधायकों को ले-देकर टिकट हासिल हो पाए। बाकी का तो पूछिए ही मत। आखिर में ऐसे हालात हो गए कि कई ने अपने मोबाइल बंद कर लिए। कई को फेसबुक पर लिखना पड़ा कि कृपया टिकट के लिए फोन न करें...हम खुद घर में टीवी पर देखने की तैयारी कर रहे हैं।

इन्हें तो लूट लिया ऑनलाइन वालों ने

जब से इंटरनेट का ऑनलाइन सिस्टम शुरू हुआ है, बहुत से लोगों, खासकर आम जनता के एक बड़े वर्ग को काफी लाभ हुआ है। कागजों पर होने वाले काम जब से ऑनलाइन होने लगे हैं, तभी से ये बदलाव नजर आ रहा है। हमारे यहां जमीन जायदाद के मामलों में पटवारी से लेकर एसडीएम के दफ्तर तक लोगों की भीड़ जुटी रहती थी कि साहब का हस्ताक्षर हो जाएं तो काम बनेगा। इसके लिए मोटी-मोटी रकम का लोड रहता था, लेकिन बुरा हो नेट वालों का,पहले नीचे वाले कर्मचारियों की रोजाना कमाई भुईयां सॉफ्टवेयर ने छीन ली। अब एक एक और पोर्टल आ गया, जो जमीन के डायवर्सन का आदेश साहब की जेब गरम किए बिना खुद ही निकाल देगा। इस विभाग के अमले के लोगों को किसी और ने नहीं, इसी इंटरनेट ऑनलाइन सिस्टम ने लूटा है।

अब किससे कहें दुखड़ा...

छत्तीसगढ़ बनने के 25 साल बाद नई विधानसभा का आलीशान भवन बनकर तैयार हो गया है, लेकिन इससे पहले जो सुविधाएं पुराने भवन में थीं, वे यहां कहीं नजर नहीं आ रही हैं। सत्तापक्ष तो ठीक है, लेकिन यहां विपक्ष के लिए परेशानी है। दरअसल विधानसभा में सत्तापक्ष विपक्ष की किसी बात, मांग को नहीं सुनकर दरकिनार करता था तो विपक्षी पार्टी के सदस्य पुरानी विधानसभा में लगी विशालकाय गांधीजी प्रतिमा के सामने बैठकर अपना दुखड़ा उन्हें सुना लेते थे, भजन गाते थे, रघुपति राघव राजाराम, सबको सन्मति दे भगवान, लेकिन नई विधानसभा में गांधीजी तो हैं नहीं। अब समस्या ये है कि विपक्ष वाले अब अपना दुखड़ा किससे कहेंगे?

पक गए साहब...

निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर का समय बढ़ाने से जिले के अधिकारियों में भारी नाराजगी देखी गई। जिले में पिछले एक माह से अधिकारी-कर्मचारी इस कार्य में लगे हैं। मामले में फार्म जमा नहीं होने और अन्य मामलों को लेकर पहले ही पूरा काम होने का दावा हो रहा था। अब आगे बढ़ने से उनका काम एक पखवाड़े और बढ़ गया। अफसर यहां तक कहने लगे कि पूरा काम लगभग हो गया था। अब फिर बीएलओ से रोजाना रिपोर्ट लेनी होगी। पहले पूरे फार्म बंटवाने का खेल हुआ अब फिर देर शाम तक उन्हीं लोगों के पीछे लगना होगा। अफसर की पीड़ा देख एक कर्मी बोला, एक माह से एक्स्ट्रा ड्यूटी कर करके पक गए हैं साहब।

हम दोनों की नाव खेते हैं...

लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर के एक अफसर को हटवाने के लिए वहां के एक पूर्व अध्यक्ष ने अच्छी लॉबिंग कर रखी थी। वे उसमें कामयाब भी हो जाते, पर अफसर की लॉबिंग उससे भी लाजवाब निकली। वे बिना कुछ कहे अपना काम करते रहे। अंत में जब निर्णय लेने की बारी आई तो उनको यथावत रखने का आदेश हो गया। जो लोग गुगली फेंक रहे थे, उनकी गेंद सीधे बांउड्री के पार हो गई। लोगों ने जब अफसर से यह बात बताई तो उन्होंने कहा, हमारी पतवार दोनों नावों को खेने में काम आती है। ऐसे में उनकी कहां चलेगी?

फ्री की वाहवाही

सबसे बड़े शासकीय अस्पताल में एमएलएसी प्रकरणों की जांच और साक्ष्य जुटाने वाले विभाग की शुरुआत करने के मामले में कुछ लोगों ने फ्री की वाहावाही लूट ली। इस विभाग को शुरू करने में एक डॉक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण रही। विभाग के कक्ष को कलर करने से लेकर कुर्सी-टेबल की व्यवस्था तक में उनके जेब की राशि खर्च हो गई। विभाग तैयार होने के बाद जब उसके काम के बारे में लोगों को समझ आया तो वाहावाही लूटने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस भीड़ में वे लोग भी शामिल थे, जिन्होंने विभाग बनाने की सोच रखने वाले डॉक्टर को फंड भी देने से इंकार कर दिया था। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा इस विभाग की तारीफ करने के बाद विरोध करने वाले भी उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

6 साल बाद सरिया 50 हजार से कम, तीन साल पहले 80 हजार थे दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरिया की डिमांड न होने के कारण प्रदेश में सरिया के दाम निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। 6 साल बाद इस समय सरिया के दाम 50 हजार से भी कम हो गए हैं। इसके पहले 2019 में सरिया के दाम 50 हजार के आसपास थे। तीन साल पहले तो इतिहास में पहली बार सरिया के दाम 80 रुपए टन तक गए थे। उसके बाद दाम कम हुए, पर इतने ज्यादा कम नहीं हुए। ज्यादातर समय सरिया के दाम 60 हजार के आसपास रहे हैं, पर अब दाम कम हो गए हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि बाहर से राज्यों से डिमांड कम आ रही है। इसकी वजह से प्रदेश के उत्पादकों ने उत्पादन भी कम कर दिया है। प्रदेश में इस समय सरिया की बेसिक कीमत 34500 रुपए है। इसमें पांच से साढ़े छह हजार रुपए एमएम के हिसाब से अंतर के जुड़ते हैं। ऐसे में 12, 16, 20 और 25 एमएम के सरिया के दाम 39500 हजार रुपए हैं। इसमें 18 फीसदी जीएसटी के 7110 रुपए जोड़कर दाम 46610 रुपए थोक में हैं। चिल्हर में दाम 48 हजार रुपए के करीब है। 8, 10 और 32 एमएमएम का सरिया थोक में 48 हजार और चिल्हर में 49 हजार रुपए टन है।

डिमांड न होने से कम हो गए हैं दाम

रोज 20 हजार टन का उत्पादन

प्रदेश में राज स्पंज आयरन और सरिया का करीब 20 हजार टन का उत्पादन होता है। सरिया का उत्पादन पूरी तरह से स्पंज आयरन पर निर्भर है। राजधानी रायपुर में ही रोज 12 से 13 हजार टन सरिया का उत्पादन होता है। पूरे प्रदेश में यह उत्पादन 20 हजार टन के आस-पास होता है। इस समय डिमांड कम होने के कारण स्पंज आयरन के साथ सरिया का उत्पादन भी 25 फीसदी तक कम हो गया है। यानी इस समय रोज 15 हजार टन के आस-पास ही सरिया बन रहा है। प्रदेश में बनने वाले सरिया की डिमांड दूसरे राज्यों में ज्यादा रहती है। दूसरे राज्यों में छत्तीसगढ़ से उत्पादन का 80 फीसदी सरिया जाता है। 20 फीसदी की खपत ही अपने राज्य में होती है।

डिमांड कम होने से दाम घटे

इस समय अपने राज्य के साथ ही बाहर के राज्यों से भी डिमांड कम होने के कारण सरिया के दाम कम हो गए हैं।

- मनोज अग्रवाल, सरिया उत्पादक

80 हजार के पार गए हैं दाम

सरिया के दाम इतिहास में पहली बार तीन साल पहले 2022 में 80 हजार के पार गए थे। 2021 से दाम बढ़ने का क्रम प्रारंभ हुआ था जो 2022 मार्च में 80 हजार के पार तक गया था। इसके बाद दाम कम होने प्रारंभ हुए और एक बाद दाम 55 हजार के करीब पहुंचे लेकिन फिर से दाम बढ़ने लगे। 2023 और 2024 में भी दाम 55 हजार से कम नहीं हुए, लेकिन अब दाम 55 हजार से कम होकर 50 हजार से भी कम हो गए हैं।

आसंदी से अंश को विलोपित करने की मांग

'विजन-2047' पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक चंद्राकर के आरोपों से नाराज हुए मंत्री जायसवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा शीतकालीन सत्र के पहले दिन 'विजन-2047' पर विशेष चर्चा के दौरान भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए। विधायक की बातों से नाराज मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़े होकर अध्यक्ष से आपत्ति जताते हुए व्यक्तिगत आरोप लगाने वाले अंश को विलोपित करने की मांग की।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने इसके पहले आसंदी से सवाल किया कि किस प्रक्रिया, किस नियम के तहत सदन में चर्चा हो रही है, क्या हम शासकीय संकल्प के तहत बात कर रहे हैं? क्या चर्चा के बाद मंत्री जवाब देंगे या हमें अपनी बात कहनी है? सदन में चर्चा के पूर्व नियम प्रक्रिया की जानकारी होनी थी। सदन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ के विकास का विजन 'विजन-2047' के माध्यम से प्रस्तुत किया। ओपी चौधरी के प्रस्ताव पर बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, हमको नहीं पता कि क्या बोलना है। पक्ष में या विपक्ष में, या फिर विजन को लेकर सलाह देना है।

विजन-2047 पर कांग्रेस की मानसिकता उजागर : कश्यप : संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस के बहिष्कार को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे छत्तीसगढ़ के विकास विरोधी सोच का प्रमाण करार दिया। उन्होंने कहा, सत्र के पहले दिन ही बहिष्कार कर कांग्रेस ने यह साफ कर दिया है कि उसे छत्तीसगढ़ के भविष्य से कोई सरोकार नहीं है।

कांग्रेस ने पीएम आवास योजना को 5 साल अटकाए रखा

वित्त मंत्री ने ओपी चौधरी ने सदन को बताया कि सरकार लगातार सामाजिक हित में सामाजिक अधोसंरचना का विकास कर रही है। विकास के काम और विकास के फायदे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मिल पाए, इसकी व्यवस्था सरकार कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा, हम कच्चे मकान को पक्के मकान में बदलने का काम कर रहे हैं। जब कांग्रेस की सरकार राज्य में थी तो पीएम आवास का काम रोक दिया गया। पांच साल तक पीएम आवास आवंटित नहीं हो पाया, इससे करीब 18 लाख लोग प्रभावित हुए। हमने सरकार में आते ही पीएम आवास योजना का लाभ लाभार्थियों को देना शुरू किया। हमारा लक्ष्य है कि हम 24 लाख मकान बनाकर देंगे, इस दिशा में हम तेजी से काम भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए आवास प्लस सर्वे का काम कराया गया है।

विधायक निधि 10 करोड़ करने की मांग

विधायक धर्मजीत सिंह ने विधायक निधि 10 करोड़ करने को लेकर सदन में मांग की है। उन्होंने कहा, पिछली सरकार ने विधायक निधि बढ़ाई थी। मुख्यमंत्री भी क्रांतिकारी कदम उठाते हुए विधायक निधि में बढ़ोतरी करें। अपने क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी से काम कराने निधि बढ़ाने की मांग की।

गरीबी उन्मूलन का जिक्र नहीं : अजय

सत्ता पक्ष के विधायक अजय चंद्राकर ने चर्चा के दौरान अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली और कमियों पर सवाल उठाया। अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए हमला बोला। अंजोर विजन पर अजय चंद्राकर ने सवाल उठाते हुए कहा, आपने गरीबी उन्मूलन पर बात नहीं की। रोजगार की परिभाषा स्पष्ट नहीं की। 1.25 लाख हेक्टेयर कृषि जमीन कम हो गई। सिंचाई का क्षेत्र भी कम हो गया, कैसे? सतह जल के लिए आपकी कोई नीति नहीं है?

मंत्री जायसवाल पर भड़के अजय

सदन को संबोधित करते हुए अजय चंद्राकर ने अपनी ही सरकार के मंत्री पर हमला करते हुए कहा, 97 प्रतिशत लोगों के लिए आपको नीति बनानी होगी। प्रदेश में क्षेत्रीय वित्तीय असंतुलन बड़ा मुद्दा है, इसे कैसे दूर करेंगे? रायगढ़, कोरबा, दंतेवाड़ा में ढेरों फंड के पैसे हैं, बाकी जिलों के लिए पैसे कैसे आएंगे? वहीं सदन में अजय चंद्राकर के बातों पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़े होकर अध्यक्ष से आपत्ति जताई। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा, व्यक्तिगत आरोप न लगाएं। साथ ही उन्होंने मांग की कि आरोप लगाने वाले अंश को विलोपित किया जाए। अजय चंद्राकर ने मंत्री जायसवाल की आपत्ति पर जवाब देते हुए कहा, मुझे सदन का नियम मत सिखाओ। जवाब में मंत्री जायसवाल ने कहा, मैं भी दो बार का विधायक, मुझे भी नियम-प्रक्रिया मालूम है। अजय चंद्राकर ने कहा कि एनीमिया उन्मूलन को अभियान में क्यों शामिल नहीं किया जा सकता। मेकाहारा में पेट स्कैन हमने खरीदी, ताकि मध्यभारत का सबसे बड़ा कैंसर अस्पताल खुले। अगर खरीदी में भ्रष्टाचार हुआ है तो मैं सजा भुगतने को तैयार हूं।

हिड़मा के समर्थन में नारे लगाने वालों का विरोध

विधायक धर्मजीत सिंह ने जेएनयू में हिड़मा के समर्थन में नारे लगाने वालों का विरोध किया। उन्होंने विधानसभा में प्रस्ताव लाकर आलोचना की मांग की। नक्सलियों के ऐसे समर्थकों को बस्तर भ्रमण कराने की भी मांग रखी, ताकि उनको नक्सलियों के किए अत्याचार का पता चल सके। सदन में उन्होंने नक्सली हिड़मा और बसवराजू की क्रूरता का जिक्र किया।

22 वर्षों में विकास की राह का दस्तावेज : कौशिक

भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने चर्चा के दौरान कहा, आने वाले 22 वर्षों में छत्तीसगढ़ को किस तरह विकास की राह पर ले जाना है, इन तमाम विषयों को लेकर आज वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा एक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है, जिसमें गुड गवर्नेंस की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा सरकार आने वाले 22 वर्षों में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर बनाएगी और इस विजन 2047 से निश्चित रूप से हमारा छत्तीसगढ़ एक प्रभावशाली एवं आर्थिक सक्षमता वाला राज्य बनके उभरेगा।

दो साल में नहीं बदली भगवान राम की मूर्ति

अजय चंद्राकर ने चंदखुरी में भगवान राम की मूर्ति का मुद्दा भी चर्चा के दौरान उठाया। उन्होंने कहा, विधानसभा में मूर्ति बदलने की घोषणा हुई थी। आज दो साल में मूर्ति नहीं बदली जा सकी है। चंदखुरी में जो मूर्ति लगी है, वह भगवान राम की लगती नहीं है। इस पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा, एक सप्ताह के भीतर भगवान राम की नई मूर्ति आ जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने ऊर्जावान छत्तीसगढ़ कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवीन विधानसभा परिसर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में रजत महोत्सव विशेष छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल द्वारा प्रकाशित 'ऊर्जावान छत्तीसगढ़' कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। यह काफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल एवं उसकी उत्तरवर्ती पॉवर कंपनियों की 25 वर्षों की गौरवमयी यात्रा, उपलब्धियों और विकास गाथा पर आधारित है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, यह कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों, अधोसंरचना विकास, नवाचारों और जनसेवा आधारित कार्यों का सजीव दस्तावेज है। कॉफी टेबल बुक में छत्तीसगढ़ राज्य ने ऊर्जा क्षेत्र में सुदृढ़ नियोजन, आधुनिक तकनीक और उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियों को शामिल किया गया है और सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना से लेकर 32 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता, कोयला खनन के सुदृढ़ संचालन और राज्यव्यापी पारेषण-वितरण ढांचे के विस्तार तक बिजली क्षेत्र में व्यापक सुधार को प्रदर्शित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रोहित यादव, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारी जेएस नेताम, संजीव सिंह एवं आशुतोष जायसवाल उपस्थित थे।

सहायक शिक्षक 17 जनवरी को तूता धरनास्थल पर करेंगे आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर के सहायक शिक्षक वेतन विसंगति दूर करने, टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में 17 जनवरी को राजधानी में प्रदेश स्तरीय आंदोलन करेंगे। इस दिन नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल पर मोदी की गारंटी का पालन नहीं किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक, समग्र शिक्षक फेडरेशन के पदाधिकारियों की बैठक में आंदोलन का ऐलान किया गया।

फेडरेशन का कहना है कि जब तक मोदी की गारंटी लागू नहीं होती और टीईटी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान भाजपा सरकार ने वादा किया था कि सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर 100 दिन के भीतर क्रमोन्नत वेतन दिया जाएगा, लेकिन आज तक मोदी की गारंटी का पालन नहीं हुआ। इसी विषय को याद दिलाने प्रदेश के सभी 90 विधायकों को ज्ञापन सौंपा जा रहा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के टीईटी अनिवार्यता संबंधी फैसले से हजारों शिक्षकों की सेवा और पदोन्नति खतरे में है। फेडरेशन ने पुनर्विचार याचिका दायर करने और कानून लाने की मांग की है।

ऑनलाइन बैठक में ये हुए शामिल

17 जनवरी के प्रदेश स्तरीय आंदोलन में प्रदेश के सभी जिलों, ब्लॉक, संकुलों के प्रतिनिधि और शिक्षक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक, समग्र शिक्षक फेडरेशन की ऑनलाइन हुई बैठक में प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी रविंद्र राठौर, मनीष मिश्रा, देवेंद्र हरमुख, सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

शोक-पाती

स्व. श्रीमती सरस्वती बघेल जी

आपमन ल बहुतेज दुख अऊ पीरा के संग खबर करत हन कि पथरी वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
स्व. जगन्नाथ बघेल जी के बड़े बहू अऊ डॉ. खूबचन्द बघेल जी के भतीजा बहू
श्रीमती सरस्वती बघेल जी
के सरग रवानगी 06/12/2025 के होगे, जीव ह बूढ़ादेव में समाहित होगे

आघू के कार्यक्रम
बड़े नाहवन तारीख 15/12/2025, दिन-सम्मार
ये बेरा जम्मो सुराजी बघेल बेड़ा आपके अगोरा करही
जम्मो संस्कार के ठऊर-गाँव पथरी (सिलयारी) जिला-रईपुर
नोट :- तरिया के बुता 12 बजे तक होही।

बिनती बिनोईया ::-
अंजु-मणि (बेटी-दामाद)
श्रीकांत-सरिता बघेल (बेटा-बहू)
अमित-डॉ. ईश्वरी बघेल (बेटा-बहू)
डॉ. वीणा बघेल (बेटी)

गोठियाय बर - 9926032005

विनीत ::-
अमित बघेल
प्रदेश अध्यक्ष
जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी
अउ सबो बघेल परिवार पथरी।

छमाही परीक्षा शुरू... दो दिन बंटे पर्चे, गूगल फॉर्म के जरिए 72 घंटे में अपलोड करने होंगे छात्रों के अंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दसवीं और बारहवीं कक्षा की छमाही परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। नतीजे सुधारने केंद्रीकृत परीक्षा आयोजित की जा रही है, अर्थात संपूर्ण जिले के परीक्षार्थियों के लिए प्रश्नपत्र जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा ही तैयार किया गया है। 13 दिसंबर से दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं।

■ नतीजे सुधारने जिला स्तर पर आयोजित की जा रही हैं परीक्षाएं

20 दिसंबर तक ये परीक्षाएं चलेंगी। समय-सारिणी जारी करने के साथ ही विस्तृत दिशा-निर्देश भी जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जारी कर दिए गए हैं। स्कूलों से कहा गया है कि वे निर्धारित पाठ्यक्रम तय समय पर पूर्ण करें।

उत्तरपुस्तिकाओं की जांच आदर्श उत्तर के अनुसार करनी होगी। छात्रों को मॉडल आंसर से अवगत भी कराना होगा। मूल्यांकन के बाद जिला शिक्षा कार्यालयल द्वारा उपलब्ध कराए गए गूगल फॉर्म के जरिए छात्रों के अंक ऑनलाइन प्रविष्ट करने होंगे। ऑनलाइन इन अंकों को प्रविष्ट करने अधिकतम तीन दिन अर्थात 72 घंटे का समय स्कूलों को दिया जाएगा। स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्रश्नपत्र भी जिलास्तरीय समिति द्वारा तैयार किए गए हैं।

दसवीं व बारहवीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 13 से 20 दिसंबर तक

नाराज रहे शिक्षक

इधर, प्रश्नपत्र वितरण को लेकर कई स्कूल प्रबंधन नाराज भी रहे। सर्वप्रथम शुक्रवार को प्रश्नपत्र वितरण के लिए शिक्षकों को बुलाया गया था। सभी विषयों के प्रश्नपत्र इस दिन प्रदान नहीं किए जा सके। इसके बाद शेष प्रश्नपत्रों का वितरण शनिवार को हुआ। दूरस्थ क्षेत्रों से आए शिक्षकों ने इसे लेकर नाराजगी जाहिर की थी। गौरतलब है कि जिला स्तर पर छमाही परीक्षा का आयोजन पिछले वर्ष से किया जा रहा है। बोर्ड कक्षाओं के परिणाम सुधारने यह प्रयोग हो रहा है। इसके पूर्व विद्यालय अपने स्तर पर छमाही परीक्षाओं के प्रश्नपत्र तैयार करते थे। विभिन्न विद्यालयों के प्रश्नपत्र का स्तर भिन्न-भिन्न होता था। इस कारण छमाही परिणामों के आधार पर वार्षिक परीक्षाओं के लिए रणनीति तैयार कर चुनौतीपूर्ण था। अब सभी विद्यार्थियों को एक समान प्रश्नपत्र बांटे जा रहे हैं, इसलिए वार्षिक परीक्षाओं के लिए योजना बनाना सरल होगा।

संपूर्ण वितरण

सभी विद्यालयों को परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व प्रश्नपत्र का वितरण कर दिया गया है। यदि किसी विद्यालय को परीक्षा के संदर्भ में कोई अन्य परेशानी है, तो उसे दूर करेंगे।

- हिमांशु भारतीय
जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

खबर संक्षेप

कांग्रेस का आरोप- बुजुर्गों का हक मारकर भाजपा कार्यकर्ताओं को तीर्थयात्रा का लाभ

रायपुर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना पर खुलासा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना आम बुजुर्गों के लिए नहीं है, बल्कि भाजपा के चहेते कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की निजी पिकनिक योजना बन चुकी है। योजना का मूल उद्देश्य 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क तीर्थ दर्शन कराना था, लेकिन भाजपा राज में नियमों की धज्जियां उड़ाकर अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री एवं रायपुर जिला पंचायत सदस्य सविता चंद्राकर सहित कई भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारी इस योजना के तहत बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा पर गए हैं। क्या ये सभी पदाधिकारी 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग हैं? यह योजना की पात्रता का खुला उल्लंघन है और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग है। उन्होंने बताया कि हजारों पात्र बुजुर्ग वर्षों से प्रतीक्षा सूची में अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन भाजपा के नेता और उनके करीबी बिना किसी योग्यता के तीर्थस्थलों का मुफ्त आनंद ले रहे हैं। यह भाजपा का दोहरा चरित्र है, एक तरफ बुजुर्गों की आस्था का दिखावा, दूसरी तरफ भाजपा द्वारा अपनी पार्टी के लोगों को सरकारी खजाने से मनोरंजन कराना।

समर्पण सम्मान समारोह आज, चार पत्रकार होंगे सम्मानित

रायपुर। प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार स्व. रविकांत कौशिक की स्मृति में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए रविकांत कौशिक फाउंडेशन द्वारा समर्पण सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शंकर नगर स्थित विमतारा ऑडिटोरियम में 15 दिसंबर को शाम 6 से 8 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम में 4 पत्रकारों को सम्मान के लिए चयनित किया गया है। जिसमें प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और कला क्षेत्र के लोग शामिल हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्याम वेताल उपस्थित रहेंगे। साथ ही विशिष्ट अतिथियों में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे और पूर्व कैबिनेट मंत्री लता उसेंडी शामिल होंगे।

निधन

चंद्रहास बोयर

रायपुर। सत्यम विहार कॉलोनी रायपुरा निवासी 56 वर्षीय चंद्रहास बोयर (चोवा) का 14 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे दीनबंधु बोयर के पुत्र, चंदर (डिंकू) के पिता एवं सत्यनारायण, मोहन, कैलाश, विकास, मनीष, आनंद, दीपक, दिलीप, देव के भाई थे।

रितेश जेठवानी

रायपुर। गोमती विहार अमलीडीह निवासी रितेश जेठवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 14 दिसंबर को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे रमेश जेठवानी के पुत्र और मोहित, रोहित जेठवानी के भाई थे।

पी. लाल

रायपुर। अरविंदो एन्क्लेव निवासी पी. लाल का 14 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 15 दिसंबर को सेंट पॉल्स कैथेड्रल की प्रभु वाटिका में किया जाएगा। वे राजेश लाल, विनोद लाल, प्रमोद लाल और कल्पना नाथन के पिता थे।

थानों के साथ ही क्राइम ब्रांच का रिकवरी रेट 25 प्रतिशत से कम

11 माह में चोरी के डेढ़ हजार केस आए सामने, रिकवरी रेट औसत से भी कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

जिले में इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में चोरी की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन पुलिस का रिकवरी रेट औसत से कम रहा है। क्राइम ब्रांच तथा थानों की पुलिस महज 25 प्रतिशत के करीब चोरी की घटनाओं को सुलझा पाई है। क्राइम ब्रांच टीम ने 11 माह में 117 चोरी के प्रकरण में 199 बदमाशों को गिरफ्तार कर 3 करोड़ 52 लाख 39 हजार रुपए का सामान बरामद किया है। चोरी के मामलों को सुलझाने में थानों की पुलिस का रिकार्ड बेहद ही खराब रहा है।

वर्ष 2024 में नवंबर माह की स्थिति में रायपुर जिले में 1606 चोरी के प्रकरण दर्ज हुए थे। उस समय चोरी का रिकवरी रेट और भी कम था। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में रिकवरी रेट में जरूर सुधार हुआ है, लेकिन चोरी के रिकवरी रेट में जो सुधार होना चाहिए, वह नहीं हुआ है। संबंधित थानों के साथ क्राइम ब्रांच की टीम चोरों से ज्यादा परेशान है। चोरी की घटना सुलझाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है। कई बड़ी चोरी की घटनाएं पुलिस अब तक सुलझा नहीं पाई है।

स्थानीय के साथ बाहरी बदमाश सक्रिय

चोरी के अपराध का ट्रेंड पहले की तुलना में काफी बदल गया है। पूर्व में सीजन के हिसाब से अलग-अलग बाहरी गिरोह के बदमाश चोरी करने यहां पहुंचते थे। इस लिहाज से पुलिस बदमाशों को पकड़ने पूर्व में रणनीति बनाकर चोरी की घटनाओं को रोकने कोशिश करते थे। वर्तमान में अलग-अलग राज्यों के साथ स्थानीय चोर गिरोह अपनी सहूलियत के हिसाब से कभी भी रेकी कर चोरी की घटना करते हैं।

आउटर के क्षेत्र ज्यादा प्रभावित

राजधानी सहित जिले में बड़ी चोरी की घटनाएं ज्यादातर आउटर क्षेत्रों में हुई हैं। आउटर में सीसीटीवी कैमरे का अभाव होने की वजह से चोर आसानी से चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। आउटर के जिन क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगे होते हैं, उन इलाकों में चोरी की घटना को पुलिस काफी हद तक सुलझा लेती है। जिन क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे का अभाव रहता है, उन क्षेत्रों में ज्यादातर चोरी की घटनाओं में पुलिस चोर को पकड़ नहीं पाती।

क्राइम ब्रांच ने चार सौ के करीब मामले सुलझाए

क्राइम ब्रांच की टीम ने इन 11 महीनों में घटित लूट, हत्या, डकैती, हत्या की कोशिश, ठगी सहित अन्य आपराधिक मामलों में 391 केस सुलझाने में कामयाबी हासिल की है। क्राइम ब्रांच ने इन 391 प्रकरण में 781 बदमाशों की गिरफ्तारी कर उनके कब्जे से साढ़े 15 करोड़ रुपए का माल बरामद किया है।

चोरी का रिकवरी रेट कम होने का एक कारण यह भी

एएसपी सिटी लखन पटले के अनुसार, चोरी के मामले में रिकवरी रेट कम होने का एक प्रमुख कारण चोर पकड़े जाने के पूर्व नकदी रकम खर्च कर देते हैं। साथ ही एक चोर के पकड़े जाने के बाद उसकी दूसरा साथी नहीं पकड़ा जाता, इस वजह से वह चोरी के हिस्से में बरामद रकम के साथ माल बेचकर पैसे खर्च कर देता है।

एक्सपर्ट व्यू

सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी के अनुसार, चोरी की इन्वेस्टिगेशन काफी कठिन है। चोरी की घटना को सुलझाने लूट, डकैती, हत्या जैसे गंभीर अपराधों की तरह ग्रुप बनाकर इन्वेस्टिगेशन करने से 90 प्रतिशत चोरी के मामले सुलझाए जा सकते हैं। ज्यादातर चोरी के मामलों में पुलिस पीड़ित पक्ष को चोर के पकड़े जाने तथा माल बरामदगी की सूचना देने के बाद खात्मा रिपोर्ट भेज देती है, इसलिए चोरी के ज्यादातर मामले नहीं सुलझ पाते।

छत्तीसगढ़ में होंगे नेशनल ट्राइबल गेम्स

■ विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना करेंगे पूरी : साव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में आयोजित सत्र में सरकार के विजन डॉक्यूमेंट 'छत्तीसगढ़ अंजोर-2047' पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने चर्चा में भाग लेते हुए 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए अपने विभागों के रोडमैप साझा किए। छत्तीसगढ़ राज्य को हमने बनाया है और इसे हम ही संवारेंगे तथा विकसित करेंगे। इसके लिए हमने ठोस रणनीति और चरणबद्ध योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है। राज्य में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्हें हर सुविधा उपलब्ध कराने की कोशिश कर रहे हैं। श्री साव ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ तेजी से विकास कर रहा रहा है। देश में हौसलेवाले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने विकसित भारत का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ में विष्णु के सुशासन के साथ हमारे मुख्यमंत्री ने विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया है। हमारी यात्रा ज्ञान यानी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। उन्होंने सदन में बताया कि अंजोर विजन में राज्य के युवाओं को कौशल, खेल और नवाचार का आधार प्रदान किया गया है। हम प्रत्येक जिले में आधुनिक 'मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' विकसित करेंगे। खिलाड़ियों को डेटा-आधारित प्रशिक्षण, फिजियोथेरेपी और पोषण सहायता देने के लिए 'स्पोर्ट्स साइंस सेंटर' स्थापित किए जाएंगे।

नगरीय निकाय विभाग ने बनाईं योजनाएं

उन्होंने सदन में बताया कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का उद्देश्य वर्ष 2047 तक ऐसे शहरी तंत्र का निर्माण करना है, जो आधुनिक, सुरक्षित, समावेशी, स्वच्छ, हरित, जलवायु सहिष्णु तथा तकनीकी रूप से सक्षम हो। पिछले दो दशकों में शहरीकरण की दर 23 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 27.1 प्रतिशत हो चुकी है तथा शहरी स्थानीय निकायों की संख्या 97 से बढ़कर 193 तक पहुंच गई है। यह प्रत्यक्ष संकेत है कि आने वाले वर्षों में राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के प्रमुख संवाहक शहर ही होंगे। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना, नालंदा परिसर जैसी अनेक योजनाओं से शहरों के विकास के लिए काम हो रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण में सात नगरीय निकायों को पुरस्कार मिला है।

सभी ब्लॉक मुख्यालयों को टू-लेन सड़कों से जोड़ने की योजना

श्री साव ने कहा, लोक निर्माण विभाग के कार्यों में गुणवत्ता सुधार के लिए लगातार दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं एवं तद्नुसार कार्यवाही कराई जा रही है, जिससे गुणवत्ता में क्रमोन्नत सुधार हो रहा है। अव्यवस्थित शहरी आबादी को व्यवस्थित करने के लिए सेटेलाइट टाउनशिप डेवलपमेंट के तहत बड़े शहरों एवं उनके समीपस्थ शहरों को फोरलेन से जोड़ने के लिए फोरलेन सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए बायपास के निर्माण को प्राथमिकता से बजट में सम्मिलित किया गया है।

किराए के हॉस्टल से मिली 120 को राहत, 500 चिकित्सा छात्रों की समस्या अब भी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लंबी जद्दोजहद के बाद शासकीय मेडिकल कॉलेज रायपुर के चिकित्सा छात्रों के लिए 120 सीटर हॉस्टल की व्यवस्था तो की गई है, मगर करीब 500 छात्रों की समस्या अभी भी बरकरार है। इस साल प्रवेश लेने वाले नए छात्रों के साथ अन्य पुराने विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त भवन की जरूरत महसूस की जा रही है। नए भवन की व्यवस्था होने के बाद भी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पढ़ाई करने वाले छात्रों को किराए के मकान में रहना पड़ रहा है।

■ मेडिकल कॉलेज को एक और बड़े भवन की जरूरत, नए बैच को सुविधा नहीं

पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में नए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है, मगर इसे पूरा होने में काफी वक्त लगेगा। अक्सर चिकित्सा छात्रों की आवास समस्या का मुद्दा सामने आने और एनएमसी की गाइडलाइन का पालन करने के लिए काफी कोशिशों के बाद किराए पर हॉस्टल की व्यवस्था की गई है। शांतिनगर में करीब 5 लाख के रेंट पर 120 सीटर भवन की व्यवस्था तो की गई है, मगर यह जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक, इस हॉस्टल का आवंटन द्वितीय, तृतीय और फाइनल ईयर के कुल 120 चिकित्सा छात्रों को किया जाएगा। उन वर्षों के आधे से ज्यादा विद्यार्थियों के सामने अभी भी आवास की समस्या बरकरार है। इसके अलावा इस बार एमबीबीएस की यहां की कुल 230 सीटों में से करीब डेढ़ सौ सीट पर छात्रों का एडमिशन हुआ है।

पीजी हॉस्टल भी काफी छोटा

रायपुर कॉलेज में पीजी की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए आवास का इंतजाम किया गया है, जो पर्याप्त नहीं है। हॉस्टल के कमरे इतने छोटे हैं कि जहां एक छात्र का रहना भी मुश्किल है, वहां दो चिकित्सा छात्र रहते हैं। कुछ समय पहले हॉस्टल की समस्या को लेकर कॉलेज में काफी बवाल भी हुआ था। छात्र संगठन पीजी छात्रों के लिए भी हॉस्टल में पर्याप्त व्यवस्था करने की डिमांड कर रहे हैं।

होनी चाहिए व्यवस्था

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और कॉलेज प्रबंधन की पहल पर 120 छात्रों के आवास की समस्या हल हुई है। सभी छात्रों की आवास समस्या का निवारण करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जानी चाहिए।

- डॉ. रेशम सिंह, अध्यक्ष जूनियर डाक्टर एसोसिएशन

सात साल पहले पुराना भवन खाली

सूत्रों के अनुसार, रायपुर मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के लिए जिस हॉस्टल का उपयोग किया जाता था, वह करीब सात साल पहले जर्जर हो गया था। जोखिम को देखते हुए उसे खाली कराया गया था और अस्थायी रूप से छात्रों के लिए आवास का वैकल्पिक इंतजाम किया गया था। उस दौरान भी हॉस्टल निर्माण के लिए काफी कोशिश की गई थी, जिसमें सफलता कुछ साले पहले मिली। पुराने हॉस्टल के जगह अब अस्पताल का नया भवन बनाने की योजना है, मगर इस पर काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

कांकेर में मासूम बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ पर सांसद बृजमोहन सख्त

■ लोकसभा में उठाया एक्सपायरी दवाओं के गलत निपटान का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में कांकेर जिले के एक उप-स्वास्थ्य केंद्र में हुई गंभीर लापरवाही की घटना को मजबूती से उठाकर पूरे देश का ध्यान फार्मास्यूटिकल वेस्ट मैनेजमेंट जैसी अत्यंत संवेदनशील समस्या की ओर आकृष्ट किया है। सांसद श्री अग्रवाल ने सदन को अवगत कराया कि कांकेर के सब-हेल्थ सेंटर में एक्सपायर हो चुकी दवाओं को जलाए जाने से निकला जहरीला धुआं पास के स्कूल की कक्षाओं के भीतर तक फैल गया, जिससे कई मासूम बच्चों को चक्कर आने और सांस लेने में तकलीफ जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि पूरे राज्य और देश के लिए एक चेतावनी भी है कि गलत वेस्ट मैनेजमेंट किस तरह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को खतरे में डाल सकता है।

लोकसभा में बोलते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि देश के कई हिस्सों में एक्सपायर दवाओं को सीवेज सिस्टम, खेती की जमीन या खुले गड्ढों में फेंक दिया जाता है, जिससे जहरीले रसायन मिट्टी और भूजल को प्रदूषित कर रहे हैं।

देशभर में स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र सरकार से सीडीएससीओ की गाइडलाइंस और बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 के तहत पूरे देश में सख्त और स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने यह भी जोर दिया कि सभी संबंधित अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को दवाओं के सुरक्षित निपटान के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाए।

प्रभावित हुई उड़ान तो यात्रियों के स्वल्पाहार की जिम्मेदारी एयरलाइंस कंपनी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फ्लाइट्स के अचानक रद्द होने के बाद फैली अव्यवस्था से सीख लेते हुए सर्दी के मौसम में कोहरे से प्रभावित होने वाली उड़ानों के यात्रियों को राहत देने एयरपोर्ट प्रबंधन ने अपनी रणनीति बनाई है। प्रभावित होने वाली फ्लाइट के यात्रियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था एयरलाइंस कंपनी की जिम्मेदारी होगी। ठंड के मौसम में एयरपोर्ट के रेस्टोरेंट में पर्याप्त खाद्य सामग्री रखनी होगी। इसके अलावा विमानतल में मूलभूत सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए।

■ एयरपोर्ट के रेस्टोरेंट में पर्याप्त खाद्य सामग्री रखने की हिदायत

इंडिगो एयरलाइंस कंपनी की फ्लाइट रद्द होने की वजह से रायपुर समेत देशभर के एयरपोर्ट में हाहाकार मच गया था। इस दौरान एयरपोर्ट में बदइंतजामी की शिकायतें में भी जमकर हुई थीं। इस तरह की घटनाओं से सीख लेते हुए शनिवार को स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के डायरेक्टर सहित अन्य जिम्मेदारों ने बैठक लेकर कोहरे के दौरान प्रभावित होने वाली उड़ान के यात्रियों की असुविधा से निपटने के लिए अपनी-अपनी तैयारी रखने निर्देशित किया। सभी हितधारकों के साथ समन्वय बैठक हुई, जिसमें एयरलाइंस कंपनियों को विलंब की स्थिति में सभी यात्रियों को स्वल्पाहार वितरित करने कहा गया।

दिल्ली फ्लाइट रद्द रही

रविवार को दिल्ली-रायपुर-दिल्ली के बीच एक फ्लाइट का संचालन नहीं हुआ। रायपुर से शाम 5.55 बजे रवाना होने वाली फ्लाइट के रद्द होने की जानकारी यात्रियों को पहले से दे दी गई थी। वर्तमान में दिल्ली-रायपुर के बीच इंडिगो की पांच फ्लाइट चलती हैं। रविवार को चार उड़ानें अपने तय समय पर पूरी हुईं। इसके अलावा रविवार के शेड्यूल वाली तमाम शहरों की फ्लाइट्स का संचालन निर्बाध तरीके से पूरा किया गया।

शहर में 176 बगीचे, माली ...

की सिंचाई, कटाई-छंटाई से लेकर पौधे नए पौधे लगाने का काम ठप पड़ा है। बगीचों में फूलदार पौधे ढूंढने से भी नहीं मिल रहे। बगीचों में लगाई गई घास सूखकर पीली पड़ गई है। निगम मुख्यालय के सामने स्थित नगर निगम गार्डन इससे अछूता नहीं है। निगम सीमा क्षेत्र में विकसित 176 छोटे बड़े बगीचों की मॉनिटरिंग करने वाला निगम मुख्यालय में स्थापित पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग बस नाम का रह गया है। दस जोन के बगीचों की देखरेख के लिए न तो समुचित इंतजाम हो रहे हैं और न ही विभागीय स्तर पर इस दिशा में कोई प्रयास किया जा रहा है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा मोतीबाग, गांधी उद्यान, ऑक्सीजोन गार्डन, बूढ़ातालाब के नीलाभ गार्डन सहित शहर के अन्य बगीचों के सौंदर्यीकरण के लिए योजना बनाकर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए, पर शहर में एक भी बगीचे को आदर्श बगीचे का स्वरूप नहीं दे पाए।

बूढ़ातालाब के नीलाभ उद्यान...

पर देखरेख के अभाव में रंगीन लाइटें खराब पड़ी हैं। नीलाभ उद्यान में लगाए गए फूलदार पौधे देखरेख के अभाव में सूख गए। उद्यान में लगाए गए फौवारा को तालाब सौंदर्यीकरण के दौरान उखाड़ दिया गया। शाम ढलते ही यहां अंधेरा छा जाता है। सुरक्षा की व्यवस्था लचर होने से यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने से लोग बगीचे में जाने से कतरा रहे हैं। यहां का ओपन जिम भी उखाड़ा जा चुका है।

मोतीबाग की नर्सरी चौपट ...

की नर्सरी उजाड़ दी गई। अब हालत ये है कि गुलाब, सेवंती, गेंदा, जैसे महकते फूलदार पौधों की जरूरत हो तो मोतीबाग की जगह लोगों को प्राइवेट नर्सरी से महंगे दामों पर पौधे खरीदने पड़ते हैं। यहां रंगबिरंगी रोशनी से जगमग फौवारा लगाया गया था, वह भी एक अरसे से बंद पड़ा है।

नगर निगम जोन 4 कार्यालय मोतीबाग से चंद कदम दूरी पर है, पर जोन के अधिकारी कभी यहां झांकने तक नहीं आते। निगम मुख्यालय में बैठे उद्यान विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी इस ओर आंखें मूंदे बैठे हैं।

पेज 09 के शेष ...

थोड़ी राहत, चार दिन बाद...

की तुलना में थोड़ी कम ठंडी होगी। इसके असर से रात के तापमान में धीमे-धीमे, मगर तीन से चार दिनों तक एक से 2 डिग्री तक गिरावट होगी। पारा बढ़ने से ठंड के प्रभाव में भी थोड़ी कमी आ सकती है। पिछले चौबीस घंटे में अंबिकापुर का तापमान सामान्य से 4 डिग्री कम यानी 5.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। रायपुर का रात का पारा 12.9 यानी सामान्य से 1.5 डिग्री कम दर्ज किया गया। माना का न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 4 डिग्री कम था।

एससीईआरटी करेगा स्कूलों की...

उनका नवीनीकरण जिला शिक्षा कार्यालय और माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा ही किया जाता था। ट्रिपलएसए अर्थात राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण के गठन के पश्चात अब यह उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर होगा।

सभी राज्यों में...

केंद्रीय स्तर पर सीबीएसई को केंद्रीय विद्यालयों के लिए राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण के रूप में अधिसूचित किया गया है।

क्या है राज्य विद्यालय...

ढांचा, शिक्षक-छात्र अनुपात, और सीखने के परिणाम जैसे मानदंड शामिल हैं। यह मानक प्राधिकरण ही सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, शिक्षकों की संख्या, लाइब्रेरी, लैब और खेल के मैदान जैसे बुनियादी मापदंडों का निर्धारण करेगा। शासकीय सहित निजी विद्यालय में इसकी मॉनिटरिंग हो रही है अथवा नहीं, यह भी प्राधिकरण ही सुनिश्चित करेगा।

फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी ...

जमीन की रजिस्ट्री करा दी थी। ठगी के आरोप में पुलिस ने पुरानी बस्ती ब्रह्मपुरी निवासी सुरेश सोनी (68) को गिरफ्तार किया है। ठगी की घटना में शामिल प्रशांत शर्मा फरार है। देवेंद्र नगर निवासी धनवार उर्फ राज साहू तथा एक अन्य ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। धनवार ने पुलिस को बताया कि सुरेश तथा प्रशांत ने मीना आईच की जमीन बेचने उससे सौदा किया। सौदा तय होने के बाद सुरेश तथा प्रशांत ने 3 जनवरी को जमीन की रजिस्ट्री कराने के बाद उससे तथा एक अन्य महिला से जमीन बिक्री की रकम अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराई। जमीन की असली मालिक मीना ने किसी को पॉवर ऑफ अटार्नी बनाए जाने की बात से इंकार किया। इसके बाद धनावर तथा महिला ने सुरेश तथा प्रशांत के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

ई-व्हीकल की नंबर प्लेट...

हमेशा एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। आईटीएमएस कैमरे में ई-व्हीकल के नंबर रीड नहीं कर पाने को लेकर ट्रैफिक पुलिस के अफसरों से संपर्क किया गया तो उनका कहना था कि इस संबंध में उन लोगों ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर जानकारी दे दी है। परिवहन आयुक्त ने भी इस संबंध में केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय को पत्र भेजकर आईटीएमएस कैमरों में ई-व्हीकल के नंबर रीड नहीं हो पाने की जानकारी दे दी है। ***ऑटो की जगह ई-रिक्शा का कब्जा :*** राजधानी की सड़कों में वर्तमान में 20 हजार से ज्यादा ऑटो तथा ई-रिक्शा सवारी ढोने का काम कर रहे हैं। सड़कों पर वर्तमान में जितने ऑटो तथा ई-रिक्शा चल रहे हैं, उनमें आधे से ज्यादा ई-रिक्शा राजधानी की सड़कों पर दौड़ रहे हैं। ऐसे में ई-रिक्शा की नंबर प्लेट रीड नहीं होने से ट्रैफिक के साथ परिवहन विभाग की परेशानी बढ़ा सकती है। ई-रिक्शा या ई-स्कूटर में वारदात होने की स्थिति में अपराधी को पकड़ना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

इस वजह से नंबर...

नंबर लिखे रहते हैं। इसके चलते कैमरे ई-रिक्शा, ई-स्कूटर के नंबर रीड नहीं कर पा रहे हैं। कैमरे जो पूर्व से सेट किए गए हैं, उस लिहाज से कैमरे सफेद कलर तथा पीले कलर की नंबर प्लेट में काले रंग में लिखे नंबर रीड करने में सक्षम हैं। ई-कार में नंबर प्लेट ई-रिक्शा तथा ई-स्कूटर के प्लेट से बड़ी होती है, इस वजह से आईटीएमएस कैमरे में ई-कार का नंबर रीड हो पा रहा है।

फ्लैट में बिल्टअप एरिया की गणना से डबल भार से मुक्ति, पंजीयन शुल्क में राहत मिली तो ज्यादा होगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रीयल एस्टेट की योजनाओं में फ्लैट में अब बिल्टअप एरिया की ही गणना करने के सरकार के फैसले से घर लेने वालों को डबल भार से मुक्ति मिल गई है। पहले एक तो जमीन की कीमत में इजाफा हो गया है, इसी के साथ सुपर बिल्टअप एरिया की गणना के फरमान के कारण डबल भार पड़ने वाला था। ऐसे में प्रदेश सरकार ने इस परेशानी को समझते हुए अब फिर से बिल्टअप एरिया की ही गणना करने का फैसला किया है तो इससे राहत मिल गई है। लेकिन जमीन की कीमत में इजाफा होने के कारण ज्यादा फायदा नहीं होगा। यही वजह है कि बिल्डरों की यह मांग है कि पहले की तरह पंजीयन शुल्क को 4 फीसदी के स्थान पर 0.8 फीसदी कर दिया जाए तो अपने घर का सपना देखने वालों को बड़ी राहत मिल सकती है।

करीब आठ साल बाद जमीन की नई गाइडलाइन दरें लागू होने के बाद इसको लेकर प्रदेशभर से आवाज उठी तो सरकार ने भी इसको समझा और इसमें संशोधन किए गए। इस संशोधन का बड़ा फायदा रीयल एस्टेट का कारोबार करने वालों को होगा, क्योंकि रीयल एस्टेट का कारोबार करने वाले ही बहुत ज्यादा परेशान थे। संशोधन में उस गणना को भी बदल दिया गया है, जिसमें आधा या एक एकड़ जमीन लेने पर पहले 15 हजार वर्गफीट की गणना वर्गफीट के हिसाब से करने का फैसला किया गया था।

जमीन की कीमत बढ़ने से राहत कम, लेकिन एक और राहत की उम्मीद

फायदे के साथ नुकसान भी

सुपर बिल्टअप एरिया से गणना करने के कारण फ्लैट लेने पर बड़ा नुकसान होता, ऐसे में फ्लैट की बिक्री प्रभावित होने का बड़ा खतरा हो गया था। अब बिल्टअप एरिया की गणना होने पर फ्लैट लेने पर 20 से 30 फीसदी तक का फायदा होगा, लेकिन इसी के साथ जमीन की कीमत में भी 20 से 25 फीसदी का इजाफा होने के कारण बिल्टअप एरिया की गणना से होने वाला फायदा जमीन के दाम बढ़ने के कारण ज्यादा नहीं मिल पाएगा। एक तरफ जितना फायदा होगा, दूसरी तरफ जमीन के दाम बढ़ने के कारण उतने दाम ज्यादा लग जाएंगे। ऐसे में ज्यादा राहत नहीं मिल पाएगी।

ये नियम अब समाप्त

कोई बिल्डर अगर अलग-अलग किसानों से एक-एक करके पांच से दस एकड़ जमीन लेता तो उसे हर बार हर एकड़ पर पहले 15 हजार वर्गफीट की गणना वर्गफीट से होने के कारण ज्यादा स्टांप ड्यूटी और पंजीयन शुल्क देना पड़ता, लेकिन अब इस नियम को समाप्त कर दिया गया है। इसी के साथ किसी योजना में फ्लैट के सुपर बिल्डअप एरिया के स्थान पर महज बिल्टअप एरिया की ही गणना करने का भी फैसला किया गया है।

पंजीयन शुल्क में मिले राहत

प्रदेश सरकार आम जनता के हित में फैसला कर रही है। बिल्टअप एरिया से ही गणना करने के फैसले का घर लेने वालों को फायदा मिलेगा, लेकिन यह फायदा और ज्यादा हो सकता है, अगर पंजीयन शुल्क को 4 फीसदी के स्थान पर पहले ही तरह 0.8 प्रतिशत कर दिया जाए। संभावना है, सरकार इस पर भी जल्द फैसला करेगी।

- पंकज लाहोटी
अध्यक्ष क्रेडाई

खबर संक्षेप

सिंधी काउंसिल ने ठंड में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा रविवार को लाखेनगर धर्मशाला में निशुल्क कंबल वितरण की शुरुआत की गई है। संस्था का उद्देश्य है कि ठंड में कोई भी जरूरतमंद बिना कंबल न रहे और बुजुर्ग एवं असहाय लोगों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर सिंधी काउंसिल के प्रदेशाध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि यह कार्यक्रम निशुल्क कंबल स्व. कांतादेवी जसवानी, स्व. राजेंद्र रामनानी, स्व. हरिराम सिदारा की स्मृति में किया जा रहा है। इस अवसर पर पार्षद अंबर अग्रवाल, दीपक कृपलानी, लक्ष्मीचंद गुलवानी, बालचंद असरानी, बलराम मंधानी आदि उपस्थित थे।

जुआ खेलते धरे गए

रायपुर। आरंग पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जुआ खेलते चार जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नकदी रकम 45 हजार रुपए जब्त की है। जुआ खेलने के आरोप में पुलिस ने कामता सिन्हा, कैलाश ठाकुर, मेघनाथ निषाद, चैतराम निषाद को गिरफ्तार किया है।

15वें वित्त आयोग से मिलने थे करीब 18 सौ करोड़, अब तक मिले 440 करोड़

हमर क्लीनिक को पूरा करने तीन साल से फंड का इंतजार, 117 का निर्माण अटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

गली-मोहल्ले तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थापित किए जाने वाले हमर क्लीनिक का काम फंड के अभाव में पिछले तीन साल से पूरा नहीं हो पाया है। इस महत्वकांक्षी योजना के तहत राज्य में 364 हमर क्लीनिक बनाने थे, जिसमें से 117 का निर्माण अभी भी अधूरा है। कई इलाकों में चिन्हित स्थल पर बोर्ड लगाकर छोड़ा गया है, वहीं कई स्थानों पर भवन बनाने के बाद समूचे संसाधनों की व्यवस्था नहीं हो पाई है।

हरिभूमि सरोकार

इस योजना के लिए 15वें वित्त आयोग से राज्य शासन को करीब 18 सौ करोड़ रुपए की राशि मिलनी थी। शुरुआत के दो साल यानी वर्ष 2021-22 और 22-23 में दो किस्तों में करीब 440 करोड़ मिले। इस राशि से स्वास्थ्य विभाग ने प्रति 27 लाख के खर्च से करीब 240 हमर क्लीनिक बनाए। इसके बाद पिछले तीन साल से इस योजना के लिए राशि नहीं मिली, जिससे 117 हमर क्लीनिक बनाने का काम पूरा नहीं हो पाया है। सूत्रों के अनुसार, दो किस्तों में मिली राशि के खर्च से पूरे किए गए काम की जानकारी केंद्र सरकार को भेजी जानी थी। हमर क्लीनिक बनाने का काम सीजीएमएससी के पास था, जिसे यूट्रिलाइजेशन सर्टिफिकेट के रूप में जानकारी भेजनी थी। फंड नहीं मिलने का सीधा असर हमर क्लीनिक के नए और पुराने निर्माण पर हुआ। शहर में इसके लिए चिन्हित स्थानों पर बोर्ड लगाकर छोड़ दिया गया। जिन स्थानों पर हमर क्लीनिक का ढांचा खड़ा हुआ, वहां पर्याप्त संसाधन नहीं मिलने की वजह से काम ही शुरू नहीं हो पाया। हमर क्लीनिक का निर्माण लोगों को बीपी-शुगर की जांच के साथ सामान्य तरह की बीमारियों की जांच और निशुल्क दवा का इंतजाम घर के नजदीक ही करने के उद्देश्य से किया गया था।

राज्य शासन स्तर पर होगी व्यवस्था

हमर क्लीनिक का संचालन अब राज्य शासन स्तर पर किए जाने की तैयारी है। सूत्रों का कहना है कि इस महत्वकांक्षी योजना और लोगों को शासकीय स्तर पर सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने फंड जारी किया जाएगा। यहां मानव संसाधन की व्यवस्था एनएचएम के माध्यम से और दवाओं की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से की जाएगी। हमर क्लीनिक के माध्यम से लोगों को मौसमी बीमारी के साथ इनसे संबंधित दवाओं का वितरण किया जाना है।

जिले में खुलने थे 76

रायपुर जिले में कुल 76 स्थानों पर हमर क्लीनिक बनाने की योजना थी। शुरुआती दिनों में किराए अथवा उधारी के भवन में इसका काम शुरू किया गया था। इसके बाद फंड के आधार पर सीजीएमएससी ने करीब 52 स्थानों पर भवन का निर्माण कराया, मगर पर्याप्त साधनों के अभाव में करीब 40 सेंटर ही पूरी तरह खुल पाए। कुछ हमर क्लीनिक में डॉक्टर नहीं होने की वजह से इलाज शुरू नहीं हुआ तो कुछ सेंटरों में नर्सिंग स्टाफ और फार्मासिस्ट के ऊपर ही मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी आ गई। इस बारे में जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने कहा कि खुले हेल्थ सेंटर में उपलब्धता के आधार पर स्टाफ की नियुक्ति की गई है। बाकी भवनों के हैंडओवर होने के बाद उसके लिए भी संसाधनों की व्यवस्था की जाएगी।

सुंदरनगर, मैत्रीनगर में सांडों का उत्पात, शिकायत के बाद 2 दिन में 3 की धरपकड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर के बाजार क्षेत्र, बस स्टैंड, चौक-चौराहों और रिहाइशी इलाकों में मवेशियों के जमावड़े से लोग परेशान हैं। मवेशियों की धरपकड़ में कोताही बरतने से राहगीरों और वाहन चालकों को दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। साथ ही सांड के उत्पात से राहत दिलाने जोन स्तर पर मॉनिटरिंग भी नहीं हो रही है। नगर निगम जोन 5 के सुंदरनगर और मैत्रीनगर में 3 सांडों के उत्पात से लोग खासे परेशान रहे। पं. सुंदरलाल शर्मा वार्ड के रहवासियों ने इसकी शिकायत जोन-5 कमिश्नरी में की। जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के निर्देश पर काऊकैचर की टीम ने स्पॉट पर पहुंचकर दो दिन में 3 सांडों को पकड़कर स्थानीय रहवासियों को राहत दिलाई।

डीडीनगर, डगनिया, आमापारा, लाखेनगर, सुंदरनगर, मैत्रीनगर, मंगलबाजार क्षेत्र में आवारा मवेशियों के सड़क पर जमावड़े से लोग बेहद परेशान हैं। काऊकैचर टीम इन क्षेत्रों में मवेशियों की धरपकड़ करने नियमित रूप से नहीं पहुंच रही है। यही वजह है कि लोग बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। निदान 1100 में शिकायत करने पर समय रहते मवेशियों को पकड़ने की व्यवस्था नहीं होने से लोगों में निगम प्रशासन के लचर व्यवस्था को लेकर नाराजगी बनी हुई है। जबकि निगम मुख्यालय द्वारा नगर निगम के 10 जोन में आवारा मवेशियों को पकड़ने 10 काऊकैचर वाहनों की व्यवस्था की गई है। वहीं शहर के सार्वजनिक स्थानों पर मवेशियों को खुले में छोड़ने वाले पशुपालकों पर कार्यवाही नहीं होने से भी यह समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही है।

रविवि भूल बैठा जीई के विषय, जारी हुई नई तिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा समय-सारिणी जारी किए जाने के बाद इसमें बदलाव का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवि ने एमएससी बायोटेक की संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अलावा स्नातक कक्षाओं में भी जीई अर्थात जेनेरिक इलेक्टिव को लेकर अधिसूचना जारी की गई है। पूर्व में जारी समय-सारिणी में रविवि जेनेरिक इलेक्टिव विषयों का उल्लेख करना भूल गया था। इसे लेकर छात्रों में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अब विवि ने संशोधित समय-सारिणी जारी करते हुए जेनेरिक इलेक्टिव विषयों के संदर्भ में चीजों का स्पष्ट किया है। जेनेरिक इलेक्टिव सब्जेक्ट वे विषय हैं, जो छात्र अपने संकाय के इतर अन्य संकाय से चुनते हैं।

नहीं मिली नई तिथि

12 दिसंबर को बीएससी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में कंप्यूटर साइंस के नाम पर एआई का पर्चा छात्रों को थमा दिया गया था। सभी परीक्षा केंद्रों से शिकायत मिलने के बाद इस पर्चे को रद्द कर दिया गया। इसकी नई तिथि अब तक छात्रों को प्रदान नहीं की गई है। जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई भी नहीं की गई है। पिछली सेमेस्टर परीक्षाओं में समय-सारिणी जारी कर 6 बार संशोधन करते हुए रविवि ने नया रिकॉर्ड बनाया था। इस बार भी समय-सारिणी जारी होते ही थोक में शिकायतें प्रारंभ हो गईं।

भाजपा विधायक दल की बैठक, विपक्ष को करारा जवाब देने की बनी रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास में रविवार की रात भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में विपक्ष के सवालों पर करारा जवाब देने की रणनीति तैयार की गई। विपक्ष क्या-क्या मुद्दे उठाने वाला है और उनके मुद्दों पर कौन-कौन जवाब देंगे, इसको लेकर जिम्मेदारी तय की गई। मंत्रियों के साथ ही विधायकों का भी जिम्मा तय किया गया है कि कौन, किस मुद्दे पर बोलेंगे।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र पहली बार रविवार से प्रारंभ किया गया है। पहले दिन तो विजन डाक्यूमेंट-2047 पर चर्चा की गई। इस चर्चा में विपक्षी दल कांग्रेस ने भाग ही नहीं लिया और इसका बहिष्कार किया। अब सोमवार से सत्र में विपक्ष भी तीखे तेवर दिखाने वाला है। इसको लेकर विपक्ष से पहले ही बैठक करके अपनी रणनीति तय कर ली है। विपक्ष ने सबसे अहम धान खरीदी का मुद्दा उठाने का फैसला किया है।

सरकार के दो साल पूरे होने पर बधाई

बैठक में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बधाई दी। सभी विधायकों ने बड़ी गजमाला से मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों का स्वागत-अभिनदंन किया।

किसानों को टोकन को लेकर होने वाली परेशानी के मामले को विपक्ष ने दमदारी से उठाने का फैसला किया है। इसको लेकर भाजपा विधायक दल में तय किया गया कि विपक्ष के सवालों पर कौन-कौन जवाब देंगे। मंत्रियों के साथ ही विधायकों की भी जिम्मेदारी तय की गई है। धान खरीदी के अलावा महासुमंद जिले के किसान द्वारा अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास करने का मुद्दा, जमीन की गाइडलाइन के अलावा एक और बड़ा मुद्दा बिजली बिल हॉफ योजना है। इसी के साथ प्रदेश में बढ़ते अपराध पर भी विपक्ष ने सत्तापक्ष को घेरने का फैसला किया है। इन सब मुद्दों पर विपक्ष आक्रामक होगा और स्थगन भी लाया जाएगा। इन सारे मुद्दों पर प्रदेश सरकार के मंत्री तो जवाब देंगे ही, साथ ही भाजपा के दमदार विधायकों को भी करारा जवाब देने की जिम्मेदारी दी गई है। विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक किरण देव सहित सभी विधायक और प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय भी शामिल हुए।

सामाजिक सेवा की मिसाल कायम करने वाली 30 विभूतियों का हुआ सम्मान

रायपुर। सामाजिक संस्था कर्मप्रथम चेरिटेबल फाउंडेशन की ओर से गत दिनों कोटा स्थित अपने कार्यालय प्रांगण में एक समारोह में छत्तीसगढ़ राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक उत्थान, सेवा एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली 30 समाजसेवी विभूतियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ समेत देश-विदेश में विख्यात पंडवानी गायिका एवं पद्मश्री से सम्मानित उषा बारले बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस दौरान पद्मश्री उषा बारले के हाथों सामाजिक न्याय कार्यकर्ता भगवानू नायक को भी सम्मानित किया गया।

online Booking:-www.tripuryatra.com
20 वर्षों से
बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्पेशल ट्रेन से - 20 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी,
25 शीटें शेष
राशि :- स्लीपर 20,500/-, 3 एसी-32,500/-, 2 एसी 38,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354 411411

महंगाई भत्ता, वेतन विसंगति समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 29 से हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

29 से 31 दिसंबर तक इंद्रावती भवन सहित राज्य के सरकारी दफ्तरों में कामकाज हो सकता है प्रभावित

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर प्रदेशभर के सरकारी कर्मचारी 29 से 31 दिसंबर तक हड़ताल पर जाएंगे। 11 सूत्रीय मांगों को लेकर फेडरेशन ने तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। इस दौरान इंद्रावती भवन समेत राज्य के सरकारी दफ्तरों में कामकाज प्रभावित हो सकता है।

हड़ताल की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ संचालनालय शासकीय कर्मचारी संघ की तरफ से इंद्रावती भवन में शनिवार को एक अहम बैठक रखी गई। आंदोलन के लिए पदाधिकारियों की अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, जो कर्मचारियों को आंदोलन के उद्देश्य और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देगी। संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि 13 दिसंबर से संभागस्तरीय बैठकों का दौर शुरू हो गया है।

आंदोलन को सफल बनाने के लिए बिखरकर नहीं, बल्कि जुड़कर तथा तटस्थ नहीं, बल्कि खुलकर मैदानी संघर्ष करना होगा। कर्मचारी संघ का कहना है कि वर्तमान सरकार को बने 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन चुनाव के दौरान किए गए कुछ वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। महंगाई भत्ता, वेतन विसंगति, नियमितीकरण और पेंशन जैसे मुद्दों पर सरकार की चुप्पी से कर्मचारियों में नाराजगी व्याप्त है।

- केंद्र सरकार के समान कर्मचारियों और पेंशनरों को देय तिथि से महंगाई भत्ता लागू किया जाए ।
- डीए, एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए।
- सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान।
- विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगति दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।
- प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए संपूर्ण सेवा का लाभ दिया जाए, पंचायत सचिवों का शासकीयकरण किया जाए।
- सहायक शिक्षकों एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान दिया जाए।
- अनुकंपा नियुक्ति नियमों में 10 फीसदी सीलिंग में शिथिलीकरण करने की मांग।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र को सर्वे कार्य हेतु 20 युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन हो, इच्छुक व्यक्ति संपूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत संपर्क करें।
योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक
वेतन 10,000 + 3000/-
Resume Whatsapp करें 9827555678
ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं - cir.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

02 झोपड़ी थीम पर फूलों और रंगीन लाइटों....

लाइव इवेंट

अल्ट्रासाउंड एवं सॉफ्ट मार्कर स्क्रीनिंग से गर्भ में बीमारी की पहचान समय रहते संभव

रायपुर। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ चैप्टर की 15 अनुअल स्टेट कॉन्फ्रेंस -2025 का सफल आयोजन हुआ। आयोजन पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज के अटल बिहारी ऑडिटोरियम में हुआ। सम्मेलन के द्वितीय दिवस रविवार को अल्ट्रासोनोग्राफी में फिटल कार्डियोलॉजी एवं न्यूरोमेडिसिन विषय पर एक विशेष लाइव वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में एचओडी रेडियालॉजी डॉ. विवेक पात्रे, डॉ. विकास भोजासिया, डॉ. आनंद जायसवाल विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने गर्भस्थ शिशु की समस्याओं की शीघ्र पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रथम तिमाही तथा द्वितीय तिमाही के प्रारंभिक एवं उत्तर चरण में उन्नत अल्ट्रासाउंड स्क्रीनिंग एवं सॉफ्ट मार्कर स्क्रीनिंग द्वारा आनुवंशिक, संरचनात्मक एवं वृद्धि संबंधी विकारों की समय रहते पहचान संभव है, जिससे समय पर उचित परामर्श एवं उपचार की दिशा तय की जा सकती है। वहीं, डॉ. ज्योति जयसवाल ने बताया कि इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ चैप्टर में रेडियोलॉजी के क्षेत्र में ज्ञान, नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ चैप्टर एवं पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज, रायपुर के रेडियोडायग्नोसिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय रेडियोलॉजी सम्मेलन का सफल आयोजन में देश भर व राज्य के विशेषज्ञ डॉक्टर्स व रेडियोलॉजिस्ट शामिल हुए।

200 रेडियोलॉजिस्ट कॉन्फ्रेंस में भागीदार बने

सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 200 रेडियोलॉजिस्ट ने सहभागिता की। साथ ही देश के विभिन्न प्रमुख शहरों दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु और नागपुर से आए विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और नवीनतम ज्ञान को साझा किया। सम्मेलन के प्रथम दिवस में सिर एवं गर्दन के कैंसर के उन्नत एवं सटीक निदान पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त थोरैक्स की सोनोग्राफी तथा कई रोचक एवं शिक्षाप्रद केस स्टडीज पर विस्तार से चर्चा की गई।

बाजार में मैंगो-बाइट, पिस्ता फ्लेवर जैसी नई वैरायटी खूब बिक रही, लो-शुगर और ऑर्गेनिक गजक भी उपलब्ध

सेहतमंद रहने ठंड में बढ़ी गजक की मांग, 50 से ज्यादा वैरायटी, चॉकलेट से पान फ्लेवर तक बन रही पसंद

सर्दियों के मौसम में इनदिनों गजक की डिमांड चरम पर पहुंच गई है। लेकिन, अब ये पारंपरिक मिठाई सिर्फ तिल-मूंगफली तक सीमित नहीं रही। राजधानी के कारीगरों ने गजक को नया स्वाद और स्टाइल देते हुए करीब 50 से ज्यादा वैरायटी में पेश किया है।

रायपुर। इस बार बाजार में चॉकलेट गजक, पान गजक, मैंगो-बाइट, पिस्ता फ्लेवर जैसी नई वैरायटी खूब बिक रही हैं। खास बात यह है कि गजक अब सिर्फ मिठाई नहीं रही, बल्कि कचोरी-समोसे के आकार में बनी स्नैक-गजक भी लोगों को खूब पसंद आ रही है, जिसमें ड्रायफ्रूट और चिलगोजा भरा होता है। विक्रेता सनी सैनी के मुताबिक, इस साल बाजार में सबसे ज्यादा डिमांड थाल गजक की है, जो बड़े आकार में बनती है और बेहद खस्ता होती है। वहीं, हेल्थ कॉन्शियस लोगों के लिए लो-शुगर और ऑर्गेनिक गजक भी उपलब्ध हैं। बच्चों में रसभरी गजक की डिमांड सबसे ज्यादा है, जो मिठास और मजेदार टेक्सचर की वजह से उन्हें खूब भा रही है। बदलते स्वाद के साथ गजक अब सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि एक ट्रेंडी स्नैक बन चुकी है।

रोज 20 लाख तक का व्यापार

ठंड में गजक का बाजार जमकर गुलजार हो जाता है। गजक विक्रेता उज्जवल नेमा के अनुसार ठंड के महीनों में गजक की डिमांड इतनी बढ़ जाती है कि हर सप्ताह करीब 5 से 7 टन गजक की बिक्री होती है, जिससे 15 से 20 लाख रुपए तक का व्यापार होता है। जहां सामान्य दिनों में शहर में गजक की लगभग 100 दुकानें होती हैं, वहीं ठंड शुरू होते ही यह संख्या पांच गुना बढ़कर 500 तक पहुंच जाती है। बाजार में रायपुर के साथ-साथ अन्य जगहों से आने वाले व्यापारी भी अपनी खास गजक बेचते नजर आते हैं। बढ़ती वैरायटी, नए फ्लेवर और उपभोक्ताओं की पसंद को देखते हुए गजक अब केवल पारंपरिक मिठाई नहीं, बल्कि मौसमी बिजनेस का बड़ा ब्रांड बन गई है। सर्दी में गजक न सिर्फ स्वाद की पहचान है, बल्कि व्यापारियों के लिए सुनहरा मौका भी बन चुकी है।

रसभरी और मसालेदार गजक

गजक बनाने का तरीका जितना सरल दिखता है, उतना ही मेहनत भरा है। गुड़ और चीनी को धीमी आंच पर पिघलाकर उसमें तिल, मूंगफली या सूखे मेवे मिलाए जाते हैं। इसे खास मशीनों और बेलन के जरिए पतली परत में ढाला जाता है। रसभरी गजक बनाने में गुड़ और तिल के गाढ़े मिश्रण को हल्की चाशनी में डिप किया जाता है, जिससे यह अंदर से मुलायम और रसदार बनती है। मसालेदार गजक में गरम मसाले और चटपटे फ्लेवर का तड़का लगाया जाता है।

इतनी खस्ता की छूते ही टूटती है

व्यापारी सचिन ने बताया शहर में सबसे महंगी शाही बफी गजक है, जिसकी कीमत 1200 रुपए किलो है। इसमें पिस्ता, चिलगोजी, ड्राईफ्रूट सहित कई चीजें मिलाई जाती हैं। कहा जाता है कि शाही गजक इतनी खस्ता होती है कि मुंह तक आते-आते टूट जाती है। इसकी मांग विदेश में भी है। इस गजक को खरीदने के लिए कई लोग खासतौर पर शहर में आते हैं।

सिटी इवेंट

रूपक ताल में राहत इंदौरी की गजल ने बांधा समां वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी से शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति

रायपुर। भातखंडे ललित कला शिक्षा समिति की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित डॉ. अरुण कुमार सेन स्मृति संगीत समारोह रविवार को रंग मंदिर प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कमला देवी संगीत महाविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के साथ-साथ खैरागढ़ से आमंत्रित ख्यात सरोद वादक विवेक नवरे की विशेष प्रस्तुति ने कार्यक्रम को उच्च कलात्मक स्तर प्रदान किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कमला देवी संगीत महाविद्यालय की छात्रा कुमारी शारदा नाथ सुगम संगीत की भावपूर्ण प्रस्तुति लेकर मंच पर आईं। उन्होंने सर्वप्रथम दादरा शैली में रचित भजन 'श्याम बांसुरिया बजाए' को अत्यंत शास्त्रीय एवं भावात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद राहत इंदौरी की गजल 'नातवां दिल का सहारा आप हैं, मेरी कश्ती का किनारा आप हैं' को राग किरवानी पर आधारित रूपक ताल में प्रस्तुत किया। इस गजल ने संगीत सभा में विशेष रस और गहराई उत्पन्न की। इन प्रस्तुतियों में तबले पर बी. शरद ने अत्यंत संवेदनशील एवं प्रभावशाली संगति की, जिसकी श्रोताओं ने भरपूर सराहना की।

शास्त्रीय गायन ने मोहा मन

कार्यक्रम में निखिल सोनी ने राग पूरिया धनाश्री में बड़ा ख्याल एवं छोटा ख्याल प्रस्तुत कर शास्त्रीय गायन की। कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति में महाविद्यालय की छात्रा कुमारी धात्री संत ने बेला वादन द्वारा राग जयजयवंती में विलंबित एवं मध्यलय की रचनाएं प्रस्तुत कीं। इसमें उन्होंने उत्कृष्ट छाप छोड़ी। सूर्यकांत सेन ने एकल तबला वादन में तीन ताल प्रस्तुत किया। लहरे पर कमल लोचन साहू ने संगीत की। समारोह का समापन खैरागढ़ से पधारे सरोद वादक विवेक नवरे के ओजस्वी सरोद वादन से हुआ। उन्होंने राग केदार में विलम्बित एवं मध्य द्रुत लय में गत प्रस्तुत की, उनके साथ तबले पर डॉ. हरिओम हरि (खैरागढ़) की सशक्त संगति ने प्रस्तुति को अत्यंत जानदार और स्मरणीय बना दिया।

आज दूसरे दिन कथक नृत्य व लोक संगीत की प्रस्तुति

पूरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ बी. शरद की संगति विशेष रूप से प्रशंसनीय रही, जिसके लिए उनकी मुक्त कंठ से सराहना की गई। समिति द्वारा जानकारी दी गई कि सोमवार को समारोह का द्वितीय दिवस है। इस अवसर पर कमला देवी संगीत महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तारेंद्र प्रसाद सेन के निर्देशन में समूह गायन, इशिका गिरी द्वारा कथक नृत्य तथा लोक संगीत के लिए दुष्यंत द्विवेदी एवं दिनेश जांगड़े को आमंत्रित किया गया है।

कबीर से जुड़े प्रसंग वर्तमान दौर में भी प्रासंगिक गुरु महिमा पाठ में शामिल हुए सैकड़ों सत्संगी

रायपुर। सद्गुरु कबीर सत्संग समिति एवं आमीन माता महिला मंडली के संयुक्त तीन दिवसीय सत्संग समारोह के दूसरे दिन रविवार को भी सत्संगियों की भीड़ रही। आयोजन समिति के मंगलू साहू, रामलाल, सुखराम और रामलोचन साहू के प्रयास से यह आयोजन किया जा रहा है। अश्वनी साहू ने बताया कि इसमें महिला समिति की पदाधिकारी भी सहयोग कर रही है। इसमें महंत देवदास साहेब सहिक संत-महंतों की मौजूदगी में अमलीडीह के महात्मा गांधी नगर स्थित कबीर सत्संग भवन में सुबह 09 से 10 बजे तक दीप प्रज्ज्वलित करते हुए गुरु महिमा पाठ में सैकड़ों की तादाद में पंथ के अनुरागियों ने भाग लिया। इसके बाद अपराह्न तीन बजे से महंत देवसाद साहेब ने सत्संग, भजन और प्रवचन शुरू किया। इसमें उन्होंने बताया कि सद्गुरु कबीर से जुड़े प्रसंग वर्तमान दौर में भी प्रासंगिक हैं। जिसे लोग देखते और उससे जुड़े महत्व को जानने का प्रयास करते हैं।

मंदिर के पास ही स्थित है कबीर का चबूतरा

महंत ने बताया कि जगन्नाथ पुरी मंदिर के निर्माण में सद्गुरु कबीर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने राजा इंद्रद्युम्न के अनुरोध पर बार-बार समुद्र की लहरों से निर्माणाधीन मंदिर टूटने के बाद छठी बार में समुद्र को रोककर मंदिर का निर्माण पूरा किया गया। वहां एक चबूतरा बनवाया, जहां से उन्होंने समुद्र को नियंत्रित किया था। इससे छुआछूत मिटाकर सभी के लिए समानता स्थापित का गई। दर्शन के लिए जाने वाले लोग अब भी उस स्थान पर कबीर चबूतरे को देखते हैं। जहां से आगे समुद्र की लहरे मंदिर तक नहीं पहुंचती हैं। इस तरह जगन्नाथ पुरी मंदिर का निर्माण पूरा हुआ।

नौसेना के गौरवशाली इतिहास को पूर्व सैनिकों ने किया याद

रायपुर। पूर्व नौसैनिकों ग्रुप द्वारा नेवी डे का आयोजन रविवार को हर्षोल्लास से किया गया। इसमें जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारी अनिल कुमार शर्मा और ईसीएचएस रायपुर के ओआईसी अर्जित दास विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं अजय कुमार सिंह, शिव कुमार सिंह, विनय कुमार, अनीष मिश्रा एवं उनकी टीम द्वारा की गई पहल के बीच बड़ी संख्या में पूर्व नौसैनिक अपने परिजनों के साथ शामिल हुए। अतिथियों की मौजूदगी में भारतीय नौसेना के शौर्य और पराक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से 1971 के युद्ध में नौसेना की ऐतिहासिक भूमिका को याद किया गया। देश के लिए बलिदान देने वाले नौसेना के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

परिवारों को एक मंच पर एकत्रित करने की पहल

इस अवसर पर बच्चों द्वारा दी गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति ने उत्सव को खास बनाया। साथ ही इस आयोजन को भी गरिमामय बना दिया। आयोजन का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना, नौसेना के गौरवशाली इतिहास को स्मरण करना और पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को एक मंच पर एकत्रित करना था। समापन पर अतिथियों ने समिति की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायी आयोजन की निरंतरता के लिए शुभकामनाएं दीं। इसमें शिरकत करने वालों में पूर्व नवसैनिक परिवार से जुड़े लोगों ने अवसर का खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

होम्योपैथिक रिसर्च एवं डेवलपमेंट एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के सेकंड होम्योपैथिक सेमिनार का हुआ आयोजन

कैंसर से बचने संतुलित जीवनशैली अपनाएं मोबाइल, इंटरनेट के इस्तेमाल को सीमित करें

कार्नर न्यूज

रायपुर। होम्योपैथिक रिसर्च एवं डेवलपमेंट एसोसिएशन छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित दो दिवसीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेमिनार का समापन रविवार को हुआ। यह सेमिनार 13 व 14 दिसंबर को वीआईपी रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित किया गया। इसमें मुंबई से आए अंतरराष्ट्रीय चिकित्सक डॉ. फाहरुख जे. मास्टर ने वर्तमान बीमारियों में होम्योपैथी का महत्व, शोध और उपचार पद्धति के नवाचार पर अपना प्रजेंटेशन देते हुए जटिल ऑटोइम्यून डिजीज के लिए होम्योपैथी उपचार पद्धति को सबसे कारगर माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि सोराइटिक आर्थराइटिस का केसेस हो या कैंसर की बीमारी, होम्योपैथी से इन असाध्य और गंभीर बीमारियों का सहज व सरल उपचार संभव है। डॉ. फाहरुख जे. मास्टर ने कैंसर से बचाव के लिए कम और सीमित साधनों में जीने की सलाह दी। साथ ही युवाओं को मोबाइल और इंटरनेट के दुष्प्रभाव बताए और उनको सीमित इस्तेमाल की सलाह दी। डॉ. फाहरुख जे. मास्टर मुंबई और पुणे के हॉस्पिटल में वरिष्ठ होम्योपैथिक कैंसर मैनेजमेंट के एक्सपर्ट हैं। वहीं, शहर के जाने माने होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. जितेंद्र जैन ने सेमिनार में ब्रेस्ट कैंसर के कारण, उपचार और इसके बचाव के बारे में जागरूक किया। उन्होंने होम्योपैथी का आज के जीवन में बीमारियों से निजात दिलाने में योगदान को स्पष्ट किया। सेमिनार की जानकारी देते हुए होम्योपैथिक रिसर्च एवं डेवलपमेंट एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की कोषाअध्यक्ष व चिकित्सक डॉ. हर्षिता मेहता ने बताया कि इस दो दिवसीय सेमिनार में देश भर के जाने माने होम्योपैथी के लगभग 500 विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हुए। उन विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अलग-अलग बीमारियों के बारे में और होम्योपैथी से उपचार को शोध पत्रों के माध्यम से प्रजेंट कर बताया। इस अवसर पर होम्योपैथी की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स, शोधार्थी छात्र, जूनियर डॉक्टर्स व विशेषज्ञ डॉक्टर्स सहित एसोसिएशन के डॉ. रितु पांडे, डॉ. बद्री त्रिपाठी, डॉ. शिल्पा दुबे, डॉ. रितु जैन, डॉ. सर्वजीत कौर, डॉ. पद्मश्री बक्शी, डॉ. नीतू, डॉ. डीपी साहू, डॉ. संध्या साहू उपस्थित रही।

होम्योपैथी के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मधुसूदन पुरोहित एवं डॉ. विद्याकांत त्रिवेदी को होम्योपैथी चिकित्सा में काम करने के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सेरेमनी में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, आयुष मंत्रालय की डायरेक्टर संतन देवी जांगड़े, राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग के मुखिया आनंद कुमार चतुर्वेदी, कुलपति आयुष यूनिवर्सिटी डॉ. प्रदीप कुमार पात्रा, रजिस्ट्रार राज्य होम्योपैथिक परिषद संजय शुक्ला, पूर्व राज्यमंत्री डॉ. जेपी शर्मा, भाजपा प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा के साथ कई वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक उपस्थित रहे।

होम्योपैथी कॉलेज खोलने का दिया आश्वासन

सेमिनार को संबोधित करते हुए जायसवाल ने आने वाले समय में राज्य में होम्योपैथी सरकारी कॉलेज खोलने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का समय के साथ विकास हुआ है? वह खुद भी होम्योपैथिक इलाज को प्राथमिकता देते हैं। श्री आनंद चतुर्वेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से सरकारी कॉलेज का प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजा जाए, जिसे वे स्वीकृत करना चाहेंगे। उन्होंने कॉलेज चलाने के लिए आवश्यक नियम- कायदे भी बताए।

सिटी लाइव

रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस में मित्रों का संगम, सरोकार बढ़ाने चर्चा

रायपुर। रोटरी डिसट्रिक्ट 3261 के प्रांतपाल अमित जायसवाल के मार्गदर्शन में 20-21 दिसंबर को संगम मित्रों का रोटरी डिसट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इसमें छग विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, राज्यसभा सांसद रोटे. विवेक तन्खा (पूर्व प्रांतपाल), भारत के विभिन्न राज्यों से सभी रोटरी क्लब के पदाधिकारी, नए सदस्यों के साथ मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के सभी पूर्व प्रांतपाल भी शामिल होंगे। नए सदस्यों की उपस्थिति में इस बार भी वार्षिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इस वार्षिक आयोजन की श्रृंखला में सभी रोटरी सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल के साथ चर्चा का दौर चलेगा।

पदाधिकारी कॉन्फ्रेंस में साझा करेंगे अनुभव

इस कॉन्फ्रेंस को लेकर नितिन जैन ने बताया कि वीआईपी रोड स्थित होटल ओमाया गार्डन में सामाजिक गतिविधियों को किस तरह से गतिशील बनाया जा सकता है। संस्कारधानी को आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से किस तरह मजबूत किया जा सकता है। इन विषयों को लेकर होने वाली चर्चा में अलग-अलग क्षेत्र से आने वाले पदाधिकारी भी नए सदस्यों और उनकी टीम के बीच अपना अनुभव साझा करेंगे। आगामी दिनों में किस तरह से सरोकार से जुड़े काम किए जाएंगे, इन विषयों पर वैचारिक मंथन का सिलसिला दो दिनों तक अलग-अलग सत्र के रूप में संचालित किया जाएगा।

अग्रसेन धाम में लखदातार सेवा समिति द्वारा आयोजित भावपूर्ण संकीर्तन में श्याम भक्तों का उमड़ा सैलाब

झोपड़ी थीम पर फूलों और रंगीन रोशनी से सजा श्याम प्रभु का दरबार, आराधना 4.0 में भजनों पर झूमे भक्त

'झोपड़ी थीम पर कोलकाता के कारीगरों ने प्रभु श्याम खाटू का आकर्षक दरबार फूलों और रंगीन लाइटों से सजाया था। जहां रविवार की शाम 06 बजे से देर-रात तक श्याम के दरबार में आराधना 4.0 की श्रृंखला को भजनों से सजाने के लिए रायपुर सहित दूसरे राज्यों और शहरों से भी चर्चित भजन गायकों की दस्तक ने अग्रसेन धाम प्रांगण को गीत-संगीत से सराबोर किया । इस अवसर का साक्षी बनने और भावपूर्ण संकीर्तन का हिस्सा बनने के लिए श्याम भक्तों का सर्द रातों में आस्था का सैलाब उमड़ा।'

इन चर्चित भजन गायकों की प्रस्तुति ने बांधा समा

श्याम सेवक मयंक अग्रवाल की इस भजन-संध्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए चर्चित भजन गायकों ने अपनी सुमधुर एवं भावविभोर कर देने वाली प्रस्तुति से लोगों को झूमने के लिए विवश किया। कोलकाता से आए राज पारीक, रेशमी शर्मा (समस्तीपुर), विवेक शर्मा 'जीतू', जयपुर से और अभिषेक नागा ने भजनों से ऐसा समा बांधा की लोग देर-रात तक भजनों में रमें रहे। इसमें अमन अग्रवाल एवं प्रियांशु मित्तल ने भी श्याम प्रभु की महिमा, करुणा एवं प्रेम से ओतप्रोत भजनों से लोगों को भावविभोर किया। श्रद्धालु भक्ति-रस में डूबे रहे और भावपूर्ण भजनों पर उत्साह से थिरकने से खुद को नहीं रोक पाए।

रायपुर। श्याम भक्तों को लखदातार सेवा समिति ने भक्तिमय माहौल देने का दायित्व लगातार चौथे वर्ष भी निभाया। इसमें शामिल होने के लिए भक्त परिवार शाम ढलते ही छोकरानाला स्थित अग्रसेन धाम पहुंचने लगे थे। जहां भक्तों के बीच इस साल भी श्याम प्रभु का दिव्य दरबार सजाया गया था। जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद 'आराधना 4.0 भावपूर्ण संकीर्तन' का आगाज किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्याम- भक्तों में युवाओं एवं मातृ-शक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके बीच श्याम प्रभु का राजसी दरबार, आकर्षक पुष्प-सज्जा, भव्य झांकियों, छप्पन भोग एवं मनोहारी प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित था। इस भक्तिमय आयोजन की खास बात रही कि परिसर की सारी व्यवस्था स्वस्फूर्त ही संचालित हो रही थी।

संतों के सानिध्य ने भक्तों के बीच बढ़ाई गरिमा

आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की खाटू श्यामजी के निम्ब मंदिर से आए मानवेन्द्र सिंह चौहान तथा सालासर धाम से पधारे पूज्य अजय पुजारी ने। उनके दिव्य सान्निध्य ने लोगों के बीच उत्सव की गरिमा बढ़ाई। संतों के आशीर्वचनों ने भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। 'करने वाले श्याम, बुलाने वाले श्याम; हर धड़कन में श्याम।' जैसे भावपूर्ण भजनों पर श्रद्धालु खुद को झूमने से नहीं रोक पाए। इस आयोजन में 5,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाते हुए भावपूर्ण कीर्तन का आनंद लिया। भक्तों की उपस्थिति ने आयोजन की लोकप्रियता और समिति के सेवा-कार्य के प्रति समाज के विश्वास को दर्शाया।

यूट्यूब लाइव से दूरस्थ भक्त भी हुए शामिल

आयोजन समिति द्वारा उन श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी, जो वृद्धावस्था, स्वास्थ्य के कारण और शहर से बाहर होने की वजह से आयोजन स्थल पर उपस्थित नहीं हो सके। ऐसे भक्तों के लिए यूट्यूब पर कीर्तन का लाइव प्रसारण किया गया। इससे श्याम-भक्त घर बैठे भक्ति-रस का अनुभव कर सके और आयोजन से भावनात्मक रूप से जुड़े सके। इस बार भक्तों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्था को लोगों ने सराहा। विशाल पंडाल, व्यवस्थित बैठक व्यवस्था, एलईडी बैकड्रॉप, उत्कृष्ट ध्वनि-प्रणाली, पार्किंग सुविधा, चरण पादुका सेवा, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था गई थी।

समाज लाइव

जनजातीय समाज का प्रकृति प्रेम और न्याय व्यवस्था अनुकरणीय

रायपुर। जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान विषय पर नवागांव के शासकीय नवीन कॉलेज में आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. व्हीके चौबे, प्राध्यापक दुर्गा कॉलेज थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के वीर योद्धाओं द्वारा मुगल साम्राज्य एवं अंग्रेजों से की गई लड़ाई में योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उनके द्वारा अपनाए जाने वाली न्याय व्यवस्था, महिला सुरक्षा, प्रकृति पूजन की व्यवस्था हमेशा प्रासंगिक रहेगी। दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन एवं भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। छात्राओं द्वारा जनजाति समुदाय के पारंपरिक सामूहिक नृत्यों की प्रस्तुति भी लोगों के बीच दी गई।

छात्र-छात्राओं ने लगाई औषधीय पौधों की प्रदर्शनी

कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाई। साथ ही छत्तीसगढ़ी एवं जनजाति समाज के व्यंजन, जनजाति समाज की सभ्यता, संस्कृति पर आधारित पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता भी हुई। इसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार मेहता की अध्यक्षता, प्राचार्य पुष्पा साहू के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम हुआ। इसका संयोजन किरण कुमारी एवं सह संयोजन ऋचा खलको द्वारा किया गया। एनएसएस प्रभारी साधना लकड़ा के निर्देशन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके तहत विद्यार्थियों को ट्राइबल म्यूजियम नवा रायपुर का भ्रमण करवाया गया।

झांकियों संग पंथी की थाप पर झूमते-गाते कल निकलेगी गुरु घासीदास की भव्य शोभायात्रा

संतशिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती की पूर्व संध्या पर राजधानी में भव्य शोभायात्रा निकलेगी। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अगुवानी में यह आयोजन प्रति वर्ष के भांति किया जा रहा है। मंगलवार को आमापारा प्लाजा से अपराह्न 3 बजे सफेद ध्वज थामे हुए सात संतों की अगुवाई में प्रदेश की सबसे बड़ी सतनाम शोभायात्रा निकलेगी, जिसमें गुरु घासीदास जी के संदेशों को प्रदर्शित करती हुई आकर्षक झाकियां, पंथी नृत्य, डीजे-धुमाल व अखाड़ा दलों का शौर्य प्रदर्शन आकर्षण के केंद्र होंगे।

गुरु के संदेशों को प्रदर्शित करती झाकियां व पंथी होंगे आकर्षण के केंद्र

रायपुर। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के प्रवक्ता चेतन चंदेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्थापक अध्यक्ष स्व. नरसिंह मंडल ने 16 दिसम्बर 1994 को शहर में प्रथम बार भव्य रूप से गुरुजी की शोभायात्रा शुरू की थी, जिसका अनुशरण आज पूरे प्रदेश में हो रहा है। यह राजधानी में शोभायात्रा का 31वां वर्ष है। इस शोभायात्रा में नगर सहित प्रदेश व देश-विदेश के कोने कोने से समाज के लोग उत्साह व आस्था के भाव से ओतप्रोत होकर बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस भव्य सतनाम शोभायात्रा के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष केपी खण्डे, शकुन डहरिया, महासचिव डॉ. जेआर सोनी,

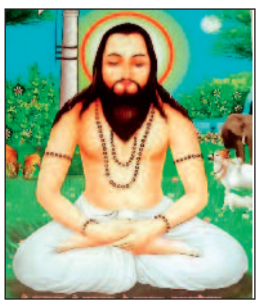

डीएस पात्रे, सुंदर लहरे, उपाध्यक्ष चंपादेवी गेंदले, सुंदरलाल जोगी, कपिल नारायण भारद्वाज सहित समस्त सतनामी समाज की रहेगी। शोभायात्रा में समाज के हजारों लोग श्वेत वस्त्र धारण कर सपरिवार शामिल होंगे। आयोजन समिति ने राजधानी वासियों से अपील की है कि मंगलवार को शोभायात्रा जिन-जिन निर्धारित मार्गों से होकर गुजरेगी, वहां असुविधा से बचने कृपया वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर सहयोग प्रदान करें।

इन मार्गों से होकर निकलेगी शोभायात्रा

शोभायात्रा आमापारा प्लाजा से प्रारंभ होकर आजाद चौक, कंकाली तालाब रोड, बूढ़ापारा चौक, नगर निगम व्हाइट हाउस, महिला थाना चौक, मोती बाग होते हुए समापन स्थल गुरु घासीदास चौक (नगर घड़ी) पहुंचेगी। जहां मुख्य मंच पर संतों की पूजा-अर्चना के साथ अतिथियों का उद्बोधन होगा।

सर्वश्रेष्ठ झाकियां होंगी सम्मानित

शोभायात्रा में शामिल सर्वश्रेष्ठ पांच झांकियों को विशेष सम्मान तथा अन्य झांकियों को सांत्वना सम्मान भेंट दी जाएगी। इसके लिए तीन सदस्यीय निर्णायक कमेटी गठित की गई है। इसमें छगनलाल सोनवानी, मोहनलाल डहरिया व रघुनाथ भारद्वाज शामिल किए गए हैं। वहीं, सुचारु व्यवस्था बनाने के लिए कमल कुर्रे को युवा टीम के साथ जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजन समिति ने शोभायात्रा में सतनामी समाज के सभी सदस्यों को श्वेत वस्त्र धारणकर शामिल होने की अपील की है।

अखंड ब्राम्हण समाज की बैठक संपन्न

रायपुर। अखण्ड ब्राहम्ण समाज सेवा समिति की मासिक बैठक रविवार को बूढ़ापारा में हुई। बैठक में समाज उत्थान और समाज की मजबूती, संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा गई। इसमें प्रमुख रूप से प्रांत अध्यक्ष योगेश तिवारी, आईपी शर्मा, अवधेशधर दीवान, प्रदीप मिश्रा, अमित मिश्रा, पं. अनिल दुबे, जीतेन्द्र पाण्डेय, निवेदिता मिश्रा, पूर्णिमाश्री, सविता शर्मा, मल्लिका मिश्रा, सुयश तिवारी, सुनिता तिवारी, साधना शुक्ला, ममता मिश्रा, पं. विमल ओझा, संदीप शर्मा, भव्य मिश्रा समेत बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

महफिले संगीत में सुरों की सदाबहार शाम, वरिष्ठ कलाकारों का हुआ सम्मान

रायपुर। संगीत, सम्मान और संवेदनाओं से सजी सांस्कृतिक संध्या महफ़िले संगीत का आयोजन रविवार को मैत्री गार्डन में हुआ। कोशिश स्टार म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सदाबहार गीतों के माध्यम से संगीत प्रेमियों को सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर मैत्री गार्डन के प्रबंधक डॉ. नवीन जैन और ललित यादव के साथ-साथ गीत-संगीत के क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ व्यक्तित्वों का मंच पर विशेष सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, बी.डी.निज़ामी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का कुशल एवं सधे हुए शब्दों में संचालन राजेश जैन द्वारा किया गया। इस संगीत संध्या में क्षेत्र के उभरते और नामचीन गायक-गायिकाओं द्वारा सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिनमें प्रमुख रूप से मोहम्मद खान रिज़वी, राजेश जैन, एंथोनी फ्रांसिस, अनिल शुक्ला, उमेश विश्वकर्मा, जीवन वर्मा, मोहम्मद अली, संजय दुबे, मोहम्मद शाहिद, अविनाश तिवारी, कमाल अख्तर, सूर्यकला, पीयूषा मन्हारे, उमेश वानखेड़े, गीता सिंह, नीतू गोस्वामी, भारती जैन सहित अन्य कलाकार शामिल हुए।

बीटीआई मैदान में 17 दिवसीय राष्ट्रीय आजीविका एवं सांस्कृतिक-कला गोडवाना महोत्सव का रंगारंग समापन

छत्तीसगढ़ी और राजस्थानी लोकनृत्य-गीत से गोंडवाना महोत्सव बना यादगार, मंच से निखरी सैकड़ों प्रतिभाएं

कार्नर न्यूज

रायपुर। बीटीआई मैदान में 17 दिनों तक चली राष्ट्रीय आजीविका एवं सांस्कृतिक-कला गोडवाना महोत्सव का रंगारंग समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन गोडवाना महोत्सव के मंच पर बलौदाबाजार के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी व राजस्थानी लोक नृत्य-गीतों की आकर्षक प्रस्तुति से क्लोजिंग सेरेमनी को यादगार बना दिया। कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक नृत्य-गीतों में कर्मा, सुआ, ददरिया और जस गीत, जवारा, राउत नाचा से समा बांधा। वहीं, राजस्थानी फोक डांस में घूमर, कालबेलिया, गैर, भवई जैसे कई रंगीन और जीवंत नृत्य ने कड़ाके की ठंड के बावजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कलाकारों को गोडवाना महोत्सव के ओपन मंच से अपनी प्रतिभा का प्रर्दशन करने का

अवसर मिला। इन दिनों में सैंकड़ों की संख्या में नवोदित कलाकारों की कला प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिला। बता दें कि मां पीतांबरा जन सेवा समिति की ओर से 17 दिवसीय गोंडवाना राष्ट्रीय आजीविका एवं सांस्कृतिक कला महोत्सव का आयोजन किया गया। इसके प्रायोजक हाउसिंग बोर्ड छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल रहा। मेले में आमजनों का प्रवेश बिल्कुल

निःशुल्क रखा गया था। पूरे महोत्सव में रोजाना एक से बढ़कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं, कला प्रतियोगिता भी आयोजित गई। इसके साथ ही देशभर के प्रसिद्ध कलाकारों की हस्तशिल्प, आर्टिफिशियल जैसी विविध कलाकृतियां का स्टॉल भी लगे रहे, जिसे लोगों ने खूब पसंद किए और खरीदी भी की।

प्रतिभागी कलाकारों का हुआ सम्मान

आयोजक समिति द्वारा गोडवाना महोत्सव के ओपन सांस्कृतिक मंच पर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागी कलाकारों का मंच से सम्मान किया गया। आयोजक समिति के सदस्य वैभव सिसोदिया ने बताया कि महोत्सव में हर वर्ग के कलाकारों को मंच से अपनी विविध कला प्रतिभा को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर मिला। विजेता प्रतिभागी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र और आकर्षक इनाम से उनका हौसला बढ़ते हुए सम्मानित किया गया। वहीं, कार्यक्रम के प्रोफेशनल कलाकारों का भी अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया।

फैशन, होम डेकोरेशन की खरीदी का खूब उठाए आनंद

गोडवाना महोत्सव में मनोरंजन के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद, हस्तशिल्प कलाकृतियों, फैशन, होम डेकोरेशन की खरीदारी का शहरवासियों ने खूब आनंद उठाया। महोत्सव के समापन के दिन भी शहरवासी बड़ी सख्या में पहुंच कर खरीदारी किए और सांस्कृतिक प्रतुतियों को फैमिली के साथ एंजॉय किया। लोगों ने कहा कि इस तरह के महोत्सव होते रहना चाहिए। इससे शहरवासियों को एक ही जगह एक अच्छा मनपसंद बाजार मिलता है।

सिटी स्पोर्ट्स

सीएससीएस तीसरे दौर के मुकाबले आज से

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 प्लेटग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे राउंड के मैच 15 दिसंबर से प्रारंभ हो रहे हैं। जिसमें दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में सरगुजा विरुद्ध जांजगीर चांपा, साइंस कॉलेज मैदान राजनांदगांव में कवर्धा विरुद्ध कोरिया जिला, दल्ली राजहरा में नारायणपुर विरुद्ध दंतेवाड़ा, धमतरी में टीम बस्तर विरुद्ध धमतरी, कवर्धा में टीम दुर्ग विरुद्ध जशपुर और न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम राजनांदगांव विरुद्ध महासमुंद के बीच मुकाबला होगा।

ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी टेबल टेनिस आज से

रायपुर। पंडित रवि शंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी की मेज़बानी में ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बॉयज़ व गर्ल्स का टेबल टेनिस स्पर्धा का आयोजन विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पस हॉल में 15 से 18 दिसंबर तक किया गया है। उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति सच्चिदानंद शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। यह जानकारी यूनिवर्सिटी के फिजिकल एजुकेशन विभाग की ओर से दी गई।

जिला भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष बघेल और सचिव विश्वकर्मा बने

भिलाई। दुर्ग जिला भारोत्तोलन संघ का वार्षिक बैठक भिलाई सेक्टर 05, में रखी गई। जिसके पर्यवेक्षक छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ के महासचिव डॉ राजेश जंघेल थे। बैठक में जिला भारोत्तोलन संघ का चुनाव किया गया। जिसमे सर्वसम्मति से संघ के अध्यक्ष के तौर पर सांसद विजय बघेल चुने गये। सचिव पद के लिए दो नाम पर चर्चा की गई। जिसमें छबि राम विश्वकर्मा को कार्य भार दिया गया। यह कार्यकाल 04 वर्षों का होगा। संघ में उपाध्यक्ष ललित साहू, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र और सहसचिव बाला राम साहू चुने गए। सभी पदाधिकारियों को अध्यक्ष विजय बघेल ने शुभकामनाएं देते हुये खिलाड़ियों के हित में कार्य करने की शपथ दिलाई।

विश्व कप रोलबॉल चैंपियनशिप में कमेंट्री करेंगे छत्तीसगढ़ के जसवंत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अनुभवी और लोकप्रिय खेल कमेंटेटर जसवंत क्लाडियस दुबई के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी आवाज़ का जादू बिखेरने जा रहे हैं। दुबई में रविवार से शुरू हुई सातवीं विश्व कप रोलबॉल चैंपियनशिप में वे आँखों देखा हाल सुनाएँगे। 18 दिसंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में दुनिया भर की टीमें हिस्सा ले रही हैं। क्लाडियस इससे पहले भी कई बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा चुके हैं। वर्ष 2023 में पुणे में हुई छठी वर्ल्ड रोलबॉल चैंपियनशिप और इसी साल केन्या में संपन्न जूनियर विश्व रोलबाल चैंपियनशिप में वे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए कमेंट्री कर चुके हैं।

रविवि की महिला बॉलीबाल टीम ऑल इंडिया स्पर्धा के लिये क्वालीफाई

रायपुर। गुरु घासीदास केंद्रीय विवि की मेज़बानी में पूर्वी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालयीन वॉलीबाल महिला प्रतियोगिता 10 से 14 दिसम्बर तक आयोजित की गई। जहां पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार मुकाबले मे हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी की टीम को अत्यंत संघर्ष पूर्ण मैच में 25-22, 22-25, 29-27, 25-20 के मुकालबे 3-1 से हराकर लगातार तीसरी बार अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिये क्वालीफाई किया। टीम के मैनेजर डॉ कर्मिष्ठ शंभरकर कोच डॉ सुलेखा रावत, सहायक कोच मनोज प्रधान है। विश्वविद्यालय की टीम में शामिल खिलाड़ियों मे ममता, अमीषा, अनुष्का, भावना वर्मा, अनु सेन, श्रेया मरावी, उषा उसेंडी, पुष्पा साहू, संध्या रामटेके, अंजली वर्मा डॉली वर्मा, सुंदरी शामिल है।

मानसिक रोग के बढ़ते जोखिम के बीच मेडिटेशन है सहारा

शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत के लिए फायदेमंद है मेडिटेशन, तेजी से बदलाव दिखेगा आपके जीवन में

योग और व्यायाम को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जो लोग नियमित रूप से योग का अभ्यास करते हैं उनमें कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा कम होता है। अध्ययनकर्ता कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में मेडिटेशन या ध्यान अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए। जिस तरह से दुनियाभर में मानसिक रोगों को जोखिम बढ़ रहा है, ये एक अभ्यास आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। चूंकि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध शारीरिक सेहत से है, इसलिए मेडिटेशन का अभ्यास संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने में मददगार हो सकता है।

मेडिटेशन से होने वाले फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करने और ध्यान अभ्यास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति भी दे दी है। यूएनजीए में भारत के एक सह-प्रायोजित प्रस्ताव जिसमें 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' के तौर पर घोषित करने के लिए कहा गया था, उसपर एकमत से मुहर लगी है। सभी देशों ने इसे स्वीकारते हुए एक तरफ से इसके पक्ष में वोटिंग की थी। मेडिकल साइंस ने भी कई अध्ययनों में पाया है कि मेडिटेशन

का नियमित अभ्यास शरीर के लिए कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है, कैसे? आइए जानते हैं।

पहले जानिए मेडिटेशन होता क्या है?

मेडिटेशन या ध्यान का अभ्यास आपके दिमाग को ध्यान केंद्रित करने और अपने विचारों को पुनर्निर्देशित करने की प्रक्रिया है। मेडिटेशन के लिए किसी शांत जगह पर आराम से बैठ जाएं। इसके बाद गहरी सांस लें और मन को एक जगह पर केंद्रित करने का प्रयास करें। मेडिटेशन के दौरान अपनी सांसों पर ध्यान देने और मन को एकाग्र करने का प्रयास किया जाता है। कई लोग इसे तनाव कम करने और एकाग्रता विकसित करने का एक तरीका मानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि मेडिटेशन की मदद से सकारात्मक मनोदशा और दृष्टिकोण बनाने, आत्म-अनुशासन स्थापित करने, नींद के पैटर्न में सुधार करने और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने में लाभ मिल सकता है।

मेंटल हेल्थ के लिए बहुत लाभकारी है मेडिटेशन

मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना आपकी मेंटल हेल्थ को ठीक रखने में काफी मददगार हो सकता है। ध्यान के अभ्यास से तनाव कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर तनाव की समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो इसका शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर हो सकता है जिसमें हृदय गति में वृद्धि, नींद से लेकर रक्तचाप तक की समस्याएं बढ़ जाती हैं।

साल 2017 में करीब 45 अध्ययनों की समीक्षा से पता चला है कि ध्यान का अभ्यास कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं जैसे इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और फाइब्रोमाइल्जिया में भी लाभकारी है।

नींद की दिक्कत कम करने के लिए करें मेडिटेशन

नींद विकार के शिकार लोगों के लिए भी मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। साल 2014 के एक अध्ययन में माइंडफुलनेस आधारित सेशन के प्रभावों की जांच की गई। इसमें पाया गया कि जिन लोगों ने मेडिटेशन का अभ्यास किया उनमें नींद से संबंधित दिक्कतें कम हुईं। इसकी मदद से अनिद्रा में भी लाभ पाया जा सकता है।

यहां ध्यान देना जरूरी है कि जिन लोगों को नींद की दिक्कत बनी रहती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है।

रक्तचाप में भी पा सकते हैं आराम

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत रहती है उनके लिए भी मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। समय के साथ, उच्च रक्तचाप के कारण हृदय को रक्त पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है जिससे हृदय रोगों का जोखिम बढ़ जाता है।

हैंडबॉल के लिए तैयार हुई छत्तीसगढ़ टीम, हुगली में दिखाएगी दम

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम 54वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु हुगली (पश्चिम बंगाल) के लिये रवाना हो गई। पश्चिम बंगाल हैंडबाल संघ द्वारा हैंडबाल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में 54वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन टेक्नो इंडिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चिनसुराह, हुगली में 15 दिसम्बर से 20 दिसम्बर तक किया जा रहा है।

जिसके लिये छत्तीसगढ़ राज्य की 21 सदस्यीय पुरुष हैंडबाल टीम की घोषणा की गई है। ज्ञात रहे कि उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम का चयन स्पर्धा का आयोजन 02 नवम्बर को हैंडबाल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-4, भिलाई में आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम के संभावित खिलाड़ियों की सूची तैयार कर विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हैंडबाल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-1, भिलाई में 01 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक किया

गया था। उक्त प्रशिक्षण शिविर के पश्चात प्रदर्शन के आधर पर छत्तीसगढ़ राज्य की 21 सदस्यीय पुरुष हैंडबाल टीम की घोषणा की गई।

उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों एवं अधिकारियों में परदीप (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), मंदीप (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), एस। ब्रिटेन सिंह (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), मो। आमिर हुसैन (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), मो। निहाल (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), बासा महेश (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), मिथुन कुमार (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), संदीप (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), के। कार्तिक कुमार (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), एम। गौतम (दुर्ग जिला), नारायण साहू (दुर्ग जिला), आदित्य चंद्राकर (महासमुन्द जिला), सुमित सिंह रामगढ़िया (महासमुन्द जिला), अमन राजभर (दुर्ग जिला), मोहम्मद गनी (कबीरधाम जिला), तौसिफ इम्तियाज (बस्तर जिला), सुमित कुमार यादव (कबीरधाम जिला), लुकेश पटेल (दुर्ग जिला), प्रशिक्षक आनंद एन।एस। (सी।आई।एस।एफ।, भिलाई), एस। प्रभाश (बी।एस।पी।, भिलाई), और प्रबंधक विजय बहादुर है।

उपरोक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम को छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ द्वारा खेल पोशाक एवं प्रशिक्षक एवं प्रबंधक को टी-शर्ट प्रदान की गई। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम शनिवार को रवाना हो गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करने हेतु संस्था के चेयरमेन विनोद चंद्राकर एवं संस्था के अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिमन्यु मिश्रा, उपाध्यक्ष इमरान अली, डी।एस। क्रिस्टोफर, आशीष यादव, बी।एस।पी। हैंडबाल क्लब के अध्यक्ष बी।डी। बाबू (महाप्रबंधक प्रभारी, प्लांट गैरेज), सचिव अब्दुल रहीम, फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के सहसचिव एवं छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के फाउण्डर मेंबर बशीर अहमद खान, छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के महासचिव समीर खान, सहसचिव बी।डी। करुपति, जितेन्द्र तिवारी, एस।

एसपीएल क्रिकेट में 2 रन से पटियाला की जीत, रायपुर टीम ने लगाया गले

रायपुर। 17 वीं एसपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक व संघर्षपूर्ण रहा। रविवार को डब्ल्यूआरएस क्रिकेट ग्राउंड पर आज काफी शानदार फाइनल मैच देखने को मिला, जब मेजबान रायपुर की टीम पटियाला से संघर्ष करते हुए 2 रन से हार गई। हारते ही मैदान पर सन्नाटा पसर गया, पर कुछ ही समय के बाद खेल भावना का प्रदर्शन शुरु हुआ और सभी खिलाड़ी एक दूसरे को गले लगाकर बधाईयां देने लगे।

पहले खेलते हुए सिंग ए पंजाब पटियाला ने 20 ओवर में 196 रन (5 विकेट)बनाए, वहीं रायपुर की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 194 रन तक पहुंचकर हार गई। इस मैच के बेस्ट प्लेयर रहे इंदरप्रीत का आलराउंडर प्रदर्शन शानदार रहा जब उन्होने 76 रनों की यादगार पारी खेली और 2 विकेट भी लिए। उन्हे मैन ऑफ द सीरीज भी चुना गया। विजेता व उप विजेता खिलाडियों को नगद पुरस्कार राशि के साथ ट्राफी व अन्य पुरस्कार अतिथियों ने प्रदान किया। आयोजन समिति की ओर से जानकारी देते हुए मुखी त्रिलोचन सिंह काले ने बताया कि सिंग ए पंजाब पटियाला ने 20 ओवर में 196 रन (5 विकेट) बनाए। इंदरप्रीत ने 8 चौके व 4 छक्कों की मदद से 45 गेंद में 76 रन की शानदार पारी खेली। कुमे अंबाला 17 (18), जीवनजोत सिंग 57 (40), जसप्रीत ने 15 रन बनाए। रायपुर की टीम ने 25 अतिरिक्त रन दिए और यही उसकी हार का कारण बना। रायपुर की ओर से रणदीप सिंग ने 9 रन देकर 3 विकेट लिए लेकिन अन्य गेंदबाज ज्यादा कुछ खास कर नहीं पाए। जवाबी पारी खेलने के लिए उतरी शहीद भाई तारुसिंग फाउंडेशन रायपुर की टीम ने अब तक जो प्रदर्शन किया था उससे लग रहा था कि फाइनल मैच जीत जाएंगे लेकिन पटियाला ने 2 रन से यह संभावित जीत उनसे छीन ली। 9 विकेट के नुकसान पर वे 20 ओवर में 194 रन ही बना पाये।

उद्घाटक बल्लेबाज राजबीर एक ओर डटे रहे और 7 चौकों व 2 छक्के की मदद से 34 गेंद में 56 रन बनाए लेकिन मनदीप 0, वरुणसिंग 0, अर्जुन 8 व केविनूर के 2 रन पर आउट होते ही टीम लड़खड़ा गई। हालांकि बाद में गगनदीप 49 रन व रनदीप 45 रन ने टीम को मंजिल तक पहुंचाने की कोशिश की पर कामयाब नहीं रहे और 2 रन से मैच हार गए। पटियाला के गेंदबाज जसक्रीत ने 3, इंदरप्रीत 2 और जसकरण व रणजीत ने 1-1 विकेट लिए।

- मैन ऑफ द मैच रहे इंदरप्रीत का शानदार आलराउंडर प्रदर्शन रहा आकर्षण

ये रहे बेस्ट प्लेयर

बेस्ट बॉलर - वरुणसिंग (रायपुर), बेस्ट बैट्समेन - राजबीर सिंग (रायपुर), बेस्ट फील्डर - गुरुप्रीत सिंग (पटियाला), बेस्ट टीम - जगुआर क्रिकेट क्लब जम्मू और मैन ऑफ द सीरीज - इंदरप्रीत सिंग (पटियाला) रहे।

क्रिसमस के मौके पर ट्राई कर सकते हैं खास केक

क्रिसमस का पर्व हर किसी के लिए बेहद खास होता है। ऐसे में हम कुछ खास केक की रेसिपी जाननी चाहिए।

क्लासिक फ्रूट केक: क्लासिक फ्रूट केक क्रिसमस की सबसे पारंपरिक रेसिपी मानी जाती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कटे हुए सूखे मेवे, टूटी फ्रूटी और किशमिश को संतरे के रस या सेब के जूस में 4–5 घंटे या रातभर भिगो दें, ताकि ये नरम और फ्लेवरफुल हो जाएं। एक बाउल में बटर और ब्राउन शुगर को अच्छी तरह फेंटें, फिर इसमें अंडे या दही मिलाएं। मैदा, बेकिंग पाउडर, दालचीनी और जायफल पाउडर मिलाकर बैटर तैयार करें। अब इसमें भीगे हुए फल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। केक टिन में बैटर डालकर 160C पर 45–55 मिनट तक बेक करें। नतीजा—रिच, सुगंधित और त्योहार के स्वाद से भरा पारंपरिक क्रिसमस केक।

चॉकलेट ट्रफल केक

इस केक को बनाने के लिए पहले केक बेस तैयार करें। इसके लिए कोको पाउडर, मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर और दूध मिलाकर स्मूद बैटर बनाएं। इसे 170C पर 30–35 मिनट बेक करें। अब ट्रफल बनाने के लिए डार्क चॉकलेट को गर्म क्रीम में पिघलाएं और स्मूद सॉस तैयार करें। जब केक ठंडा हो

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कनाडा के पूर्व पीएम को डेट कर रहीं कैटी पेरी, जस्टिन ट्रूडो के साथ साझा की तस्वीरें

हॉलीवुड संसेशन कैटी पेरी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं जिनमें उनके साथ कनाडा के पूर्व पीएम नजर आ रहे हैं। उनके इस पोस्ट ने दोनों के रिश्ते पर एक तरह से मुहर ही लगा दी है।

पॉप स्टार कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आखिरकार अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप से दुनिया के सामने ला दिया है। लंबे समय से चल रही अफवाहों के बीच दोनों ने जापान टूर की निजी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर एक तरह से अपने प्यार पर मुहर लगा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इन तस्वीरों ने यह साफ कर दिया है कि यह रिश्ता अब केवल चर्चा का विषय नहीं, बल्कि सच है। कैटी पेरी इन दिनों अपने 'लाइफटाइम्स टूर' पर हैं और इसी दौरान उन्होंने जापान के इस टूर को साझा किया। पोस्ट में दोनों को एक साथ सेल्फी लेते हुए, कला प्रदर्शनियों का आनंद लेते हुए और साथ में समय बिताते हुए देखा जा सकता है। पेरी ने कैप्शन में केवल इतना लिखा- 'टोक्यो टाइम्स ऑन टूर एंड मोर' लेकिन इन कुछ शब्दों ने उनके रिश्ते की तस्वीर को पूरी तरह साफ कर दिया। इस टूर के दौरान कैटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो ने पूर्व जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और उनकी पत्नी युको से भी मुलाकात की। किशिदा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक तस्वीर साझा कर लिखा कि ट्रूडो अपनी 'पार्टनर' के साथ उनसे मिलने आए थे। इसके बाद ये पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का कारण बन गया, क्योंकि इससे पहले तक दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था।

टॉलीवुड

धार्मिक विवादों में फंसी 'हाल' की रिलीज का रास्ता साफ, केरल हाईकोर्ट से मिली हरी झंडी

मलयालम फिल्म 'हाल' को लेकर पिछले काफी समय से विवाद चल रहा था लेकिन अब केरल हाईकोर्ट की तरफ से इसकी रिलीज का रास्ता साफ हो गया है।

मलयालम सिनेमा की चर्चित फिल्म 'हाल' को आखिरकार केरल हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। लंबे समय से कानूनी विवादों में घिरी इस फिल्म के खिलाफ दाखिल अपीलों को खारिज करते हुए अदालत ने इसकी रिलीज का रास्ता साफ कर दिया है। डिवीजन बेंच ने इससे पहले आए सिंगल जज के फैसले को बरकरार रखते हुए साफ किया कि फिल्म को लेकर लगाए गए कई आपत्तियां जरूरी नहीं थीं। दरअसल, 'हाल' की रिलीज से पहले कुछ संगठनों और केंद्र सरकार की ओर से सर्टिफिकेशन को लेकर आपत्ति जताई गई थी। फिल्म के कंटेंट पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अंतरधार्मिक संबंधों को गलत तरीके से पेश करने के आरोप लगाए गए। खास तौर पर यह कहा गया कि फिल्म में जबरन धर्म परिवर्तन जैसे संकेत दिए गए हैं और एक बिशप के किरदार को ऐसे दिखाया गया है, जो उनके सार्वजनिक बयानों से मेल नहीं खाता। विवाद बढ़ने के बाद केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की रिवाइजिंग कमेटी ने फिल्म की समीक्षा की और कुछ सीन को हटाने की सिफारिश की। इनमें बीफ बिरयानी से जुड़े सीन, पुलिस पूछताछ के कुछ सीन और धार्मिक संस्थान से जुड़े नामों को धुंधला करने जैसी शर्तें शामिल थीं। इसके बाद फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया गया, लेकिन मेकर्स ने इन कट्स को लेकर कोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने न सिर्फ सभी पक्षों की दलीलें सुनीं, बल्कि खुद फिल्म देखकर यह भी परखा कि क्या वाकई सभी कट्स जरूरी हैं। सिंगल जज की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि सुझाए गए छह कट्स में से चार अनावश्यक हैं।

भोजपुरी

पवन ने नए गाने से किया धमाका, बटोरे लाखों व्यूज

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह का नया गाना रिलीज हो गया है और रिलीज के साथ ही इसने धमाका कर दिया है। चंद घंटों में इसे लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

पवन सिंह सिर्फ अभिनय के मामले में फैंस के बीच लोकप्रिय नहीं हैं, उनकी गायकी का असर भी गहरा है। तभी तो पावर स्टार के हर नए गाने का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। आज मंगलवार को पवन सिंह का नया गाना रिलीज हुआ है, जिसका टाइटल है 'धमाका'। अभिनेता का स्वैग इसमें देखने लायक है। पवन सिंह का नया सॉन्ग सारेगामा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। इसमें वे त्रिशाकर मधु के साथ जोरदार डांस करते दिखे हैं। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री दिखी है। इस गाने को पवन सिंह और शिल्पी राज ने अपनी खूबसूरत आवाज से सजाया है। 'धमाका' गाने में पवन सिंह दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं, उनका स्वैग देखने लायक है। हाथ में पिस्टल लेकर वे सिगरेट से धुएं के छल्ले बनाते दिखे हैं। वहीं, त्रिशाकर मधु भी पिस्टल लेकर डांस करती दिखी हैं। इस गाने के बोल प्रिंस घन दुबे ने लिखे हैं। इसका म्यूजिक म्यूजिक शुभम राज GBR ने दिया है। इस गाने पर दर्शकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया आ रही है। रिलीज के चंद घंटों में ही इसे चार लाख व्यूज मिल चुके हैं। वहीं, यूजर्स भर-भरकर पवन सिंह की तारीफ भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह धांसू गाना ट्रेंडिंग में आएगा।

जियोर्जियो का डिजाइन

लाइफ स्टाइल

मशहूर डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी ने अपने स्प्रिंग-2026 कलेक्शन के लिए ट्रैवल की भावना को ध्यान में रखा है। डिज़ाइनर के लेटेस्ट लाइनअप में हल्के, फ़्लूइड फ़ैब्रिक का कॉम्बिनेशन था, जिसमें एलिगेंट सूटिंग, जैकेट, ट्राउज़र और मैचिंग सेट थे, जो आने वाले गर्म दिनों के लिए आइडियल थे। बैंगनी, नीले और ग्रे रंगों के एक अलग पैलेट में, जिसमें भूरे, सफ़ेद और चमकते हुए सुनहरे रंग के हिंट थे।

मोजों के भी होते हैं कई रुप, अपने लिए चुनिए बेस्ट

फैशन के इस दौर में मोजों की स्टाइलिंग पर भी थोड़ा सोचना-समझना पड़ता है। आप भी मोजों को लेकर अक्सर कंफ्यूज रहते हैं तो इनसे जुड़ी थोड़ी जानकारी जुटा लीजिए। जान लीजिए कि मोजे भी बस कुछ नहीं बल्कि कई तरह के आते हैं। मोजों के इन टाइप को जानकार आप अपने लिए सही और आरामदायक मोजों का चुनाव कर पाएंगे-

कंप्रेशन सॉक्स

ये मोजे हेल्थ के नजरिए से बेस्ट हैं। इन मोजों में कंप्रेशन थेरेपी का इस्तेमाल होता है। इसमें एंकल और पैरों पर हल्का दबाव पड़ता रहता है। इनसे ब्लड फ्लो भी मेनटेन होता है। पैरों में दर्द आदि से भी छुटकारा मिलता है। इन मोजों को किसी भी दूसरे मोजे की तरह ही आप पहन सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि इसे ऊपर से फोल्ड बिल्कुल ना करें। इससे पैर टाइट हो जाएगा, जिससे पैरों में दर्द भी हो सकता है। अगर आपके पैरों में दिक्कत ज्यादा है तो इन मोजों को पहनने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

एंकल सॉक्स

एंकल सॉक्स उनके लिए बेहतरीन हैं, जो मोजे पहनना तो चाहते हैं लेकिन इसको दिखाना बिल्कुल नहीं चाहते हैं। ये मोजे उन लोगों के लिए भी अच्छे हैं जो मोजे पहनना तो मैचिंग चाहते हैं लेकिन मैचिंग मोजे समय पर उन्हें कभी नहीं मिलते हैं। मतलब आपको रंगों के कॉर्डिनेशन की चिंता बिल्कुल नहीं करनी है। ये मोजे अक्सर तरह-तरह के प्रिंट में बाजार में मिल जाते हैं। कोशिश करें इन मोजों को जींस के साथ ही पहनें।

ड्रेस सॉक्स

फॉर्मल मीटिंग के लिए ये मोजे बेस्ट रहते हैं। दरअसल ये मोजे पिंडली (calf) के पास तक जाते हैं। जिससे सूट की क्रीज मेनटेन रहती है। इन मोजों के रंग सूट से मैचिंग के चुनें और जूते भी फॉर्मल ही पहनें। मोजों के रंग फॉर्मल जैसे ब्राउन, ब्लू या ब्लैक में हीं लें।

क्रू सॉक्स

ये मोजे अक्सर बाहर रहने वालों के लिए अच्छे रहते हैं। इन मोजों से पैरों को आराम मिलता है क्योंकि इनसे पिंडलियों को काफी सपोर्ट मिलता रहता है। ये मोजे स्पोर्ट्स से जुड़ी एक्टिविटी के लिए अच्छे रहते हैं। इनको स्नीकर्स या रनिंग शूज के साथ ही मैच करें।

ताबी सॉक्स

स्टाइल और गरमाहट का मेल ये आउटफिट आएंगे आपके काम

अगर आप हर सर्दी में पुराने, बोरिंग दिखने वाले स्कार्फ के साथ स्वेटर और जैकेट को पेयर करते-करते ऊब गए हैं तो इस बार अपने लुक में कश्मीरियत का अहसास जोड़िए। कश्मीर अपनी खूबसूरत वादियों के साथ ही महीन कढ़ाई, मुलायम ऊन और पारंपरिक हैंडलूम के लिए भी खूब मशहूर है, जो आज का ट्रेंड बना हुआ है। इस समय कश्मीरी सूट से लेकर पश्मीना शॉल और वूलन कार्डिगन तक महिलाओं को खूब भा रहे हैं, जो आपको स्टाइल के साथ ही गरमाहट का अहसास देते हैं और आपके लुक को क्लासी, रॉयल और बेहद एलिगेंट टच भी देते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी अपने फैशन स्टाइल से कश्मीरियत का अहसास कराएं।

पश्मीना शॉल

पश्मीना शॉल कश्मीरी फैशन की असली शान और सदियों पुरानी कारीगरी का प्रतीक है। हिमालय की चांगथांगी बकरी के बेहद बारीक रेशों से बनी यह शॉल अपनी मुलायमियत, हल्केपन और बेहतरीन गरमाहट के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इसकी खासियत है कि यह और शॉलों की तरह भारी नहीं लगती और रॉयल तथा एलिगेंट लुक भी देती है। इस सर्दी आप भी भारी शॉल की जगह पश्मीना शॉल स्टाइल कर क्लासी अंदाज पा सकती हैं। शादी, पार्टी, यात्रा या ऑफिस, हर मौके पर यह शॉल आपके लुक को खास बना देगी।

सलवार सूट

आजकल कश्मीरी सलवार सूट सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। इनके फाइन वूल फैब्रिक से मिलने वाला आराम और गरमाहट इन्हें सर्दियों के लिए परफेक्ट बनाते हैं। सूट पर की गई महीन कश्मीरी कढ़ाई, खासकर फूलों, बूटों और पत्तीदार डिजाइनों की वजह से ये बेहद आकर्षक लगते हैं। फुल लेंथ दुपट्टे के साथ कैरी करने पर यह सूट आपको रॉयल और ग्रेसफुल लुक देता है।

सर्दियों में बालों के लिए वरदान है नारियल का दूध

सर्दियों में त्वचा का ध्यान रखते-रखते अक्सर लोग अपने बालों की तरफ ध्यान देना भूल जाते हैं। वैसे तो बाजार में कई ऐसे प्रोडक्ट मिलते हैं, जिनके इस्तेमाल से आप अपने बालों को ठीक कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर पर नारियल के दूध का इस्तेमाल बालों में करेंगे तो ये बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट से ज्यादा असरदार रहेगा। इसके इस्तेमाल से आपके बालों की कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

अगर सर्दियों के मौसम में आपके बाल काफी ज्यादा झड़ रहे हैं, तो आप नारियल के दूध का इस्तेमाल बालों में कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस नारियल के दूध को हाथ में लेकर इसे स्कैल्प पर अच्छे से लगाना है। इससे बालों की जड़े मजबूत होती हैं, जिस वजह से झड़ते बालों की रोकथाम हो सकती है।

अगर आपके बाल काफी ज्यादा ड्राई हो रहे हैं, तो आप नारियल के दूध का इस्तेमाल आसानी से अपने घर पर कर सकते है। नारियल के दूध में कई तरह के ऐसे बायोटिक कॉम्पोनेंट्स होते हैं जो कि आपके डैमेज बालों को नमी प्रदान करते हैं और जिससे दोमुंहे बालों की समस्या नहीं होती है। इससे बाल काफी मुलायम भी हो जाते हैं। अगर आपके बालों की ग्रोथ थम सी गई है तो आप नारियल के दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आपकी स्कैल्प का ब्लड सर्कुलेशन तेज होगा, जिससे बालों की ग्रोथ काफी तेजी से होने लगती है। इसके लिए आपको बस एलोवेरा जेल में नारियल के दूध को मिलाना है और फिर इसे आप अपनी स्कैल्प पर लगा सकते हैं।

लंबे चेहरे पर अच्छे लगेंगे ये झुमकी डिजाइंस, दिखेंगी सबसे अलग

अगर आपका फेस लंबा है तो इसके लिए आप यहां बताई गई झुमकी डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इससे आपका पूरा लुक परफेक्ट लगेगा। अगर आप कुछ सिंपल स्टाइल करना चाहती हैं तो इसके लिए स्टोन वर्क वाले झुमके को वियर कर सकती हैं। इसमें आपको ऊपर की तरफ स्टोन मिलेगा और नीचे जो डोम बना हुआ है वहां पर स्टोन वर्क मिलेगा।

साथ में बीड्स भी लगे हुए हैं जो इस झुमकी को और खूबसूरत बना रहे हैं। लंबे फेस कट वाली महिलाएं इस तरह की झुमकी को वियर कर सकती हैं। ये सूट और साड़ी के साथ काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की झुमकी डिजाइन आपको मार्केट में 250 से 500 रुपये में मिल जाएंगे। आजकल मार्केट में आपको अलग-अलग डिजाइन वाली झुमकी मिल जाएगी। जिन्हें वियर करके आप लुक को परफेक्ट (ऑफिस वियर इयररिंग्स) बना सकती हैं।

इस बार मोर डिजाइन वाली झुमकियों को वियर करें ये नया और ट्रेंडी डिजाइन है जो हर एक एथनिक वियर पर काफी अच्छा लगता है। इसकी खास बात ये है कि इसमें आपको ऊपर की तरफ मोर पंख का डिजाइन मिलेगा।

इससे ये झुमकी और ज्यादा खूबसूरत लग रही है। ऐसे ही डिजाइन वाले इयररिंग्स को आप खरीदकर वियर कर सकती हैं और लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। अगर आप शादी या फिर किसी खास दिन के लिए इयररिंग्स सर्च कर रही हैं तो ये झुमकी आपके लिए बेस्ट हैं।

कार्नर न्यूज

मेंस वियर में मौसम के अनुरूप अपनाइए आउटफिट

इस मौसम में खूब खिलेंगे ट्रेंच कोट और लॉन्ग कोट स्टाइलिश दिखने के साथ बनेंगे महफिल की रौनक

ट्रेंच कोट / लॉन्ग कोट पहने देख पुरुषों की पर्सनैलिटी में आकर्षण नजर आता है। उनको देखकर उनकी तरह ही ट्रेंच कोट पहनने को जी करता है।मगर कई लोग अपने कद और स्टाइलिंग टिप्स की जानकारी के अभाव में कोट को पहनने से कतराते हैं। इस तरह से वे खुद को स्टाइलिश दिखाने का एक शानदार मौका गंवा देते हैं। मगर अब ऐसा नहीं होने वाला है क्योंकि यहां पर ट्रेंच कोट / लॉन्ग कोट को पहनने का तरीका बताया गया है। इन टिप्स की मदद से ट्रेंच कोट को आसानी से कैरी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, यदि आप उस तरह से कोट को पहनते हैं तो यकीनन लुक में गजब का निखार आएगा।

ट्रेंच कोट / लॉन्ग कोट का फैशन कब से शुरू हुआ?

ट्रेंच कोट / लॉन्ग कोट का फैशन ट्रेंड कई दशकों से चला आ रहा है। क्योंकि पुरानी फिल्मों को देखकर भी इस बात का पता चलता है। जिसमें कि ब्रिटिश सिपाही ट्रेंच कोट / लॉन्ग कोट पहने दिखते हैं। फैशन वेबसाइट के अनुसार, ट्रेंच कोट पहनने का प्रचलन 20 वीं सदी से शुरू हुआ था। उस वक्त भीषण बरसात और कड़ाके की ठंड या बर्फीली रातों में सैनिक इस तरह की ड्रेस पहनते थे। बॉलीवुड फिल्मों में भी पुराने समय से ही लॉन्ग कोट को पहनते देखा गया है। आज के दौर के यंग ब्लड एक्टर्स भी इस तरह के लुक में नजर आ रहे हैं।

ट्रेंच कोट का कलर कैसा होना चाहिए?

वैसे ट्रेंच कोट कई कलर के आते हैं जो कि बाजार में मिल जाएंगे। मगर लड़कों के लिए कुछ रंग के ट्रेंच कोट को परफेक्ट माना गया है जो कि किसी भी स्किन टोन वाले पुरुषों पर फिट दिखेगा। यहां पर उदाहरण के तौर पर कुछ ट्रेंच कोट के कलर बताए गए हैं

ट्रेंच कोट स्टाइल

ब्लेजर या कोट के स्टाइल की तरह ट्रेंच कोट भी कई स्टाइल में मिलते हैं। यहां पर प्रचलन में आने वाले ट्रेंच कोट के बारे में जान सकते हैं-

सिंगल ब्रेस्टेड कोट

यदि कोई पुरुष पतला है और उसकी लंबाई भी 5 फुट तक है। ऐसे में सिंगल ब्रेस्टेड कोट पहनना चाहिए। ये उनके लिए परफेक्ट माना जाता है।

डबल ब्रेस्टेड ट्रेंच कोट

डबल ब्रेस्टेड ट्रेंच कोट हैवी मैन के लिए सही माना जाता है। यदि आप लंबे और हेल्दी हैं तो ऐसे में डबल ब्रेस्टेड ट्रेंच कोट पहनें। ये आपकी पर्सनैलिटी को निखारने का काम कर सकता है।